कार्तिक कृष्ण - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 80 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 13-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पर्यटन क्षेत्र के सालाना 25% से अधिक की दर से बढ़ने का अनुमान : शेखावत

6 डोनाल्ड ट्रंप : एक सुन्दर सपना टूट गया

7 मां के किरदार की पहली पसंद थीं निरूपा रॉय

फर्स्ट टेक

मेडागास्कर में तख्तापलट की कोशिश हो रही है : राष्ट्रपति

एंटानानारिवो (मेडागास्कर)/एपी। हिंद महासागर में स्थित द्वीप मेडागास्कर में तख्तापलट की कोशिश की जा रही है। देश के राष्ट्रपति ने रविवार को यह दावा किया। राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि वह ''राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सूचित करना चाहते हैं कि अवैध रूप से और बलपूर्वक सत्ता हथियाने का प्रयास'' शुरू किया गया है। बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि सरकार को उखाड़ फेंकने का प्रयास कौन कर रहा है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

झूठ बाजार

सब जनता को यह बोल रहे,
प्रतिपक्षी झूठ बोलता है।
झूठों के वचनों को सुन कर,
जन उनकी बात तौलता है।
ये भी झूठे वो भी झूठे,
फिर सच को कौन मोलता है।
झूठों के झांसे देख नित्य,
वोटर ना भेद खोलता है।।

संविधान ने सुनिश्चित किया है कि भारत मजबूत और एकजुट रहे : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रत्नागिरि/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने रविवार को कहा कि संविधान ने यह सुनिश्चित किया है कि देश मजबूत और एकजुट रहे, जबकि पड़ोसी देश अशांति और उथल-पुथल का सामना कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के मंडणगड तालुका में एक न्यायालय भवन का उद्घाटन करने के बाद प्रधान न्यायाधीश ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि यह भवन ऐसे क्षेत्र में बना है, जिसमें संविधान के मुख्य निर्माता और महान समाज सुधारक बाबासाहेब अंबेडकर का पैतृक गांव अंबावडे भी शामिल है।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा, युद्ध और शांति, दोनों ही स्थितियों में देश एकजुट रहा है और विकास के पथ पर अग्रसर रहा है। हमने आंतरिक आपातकाल भी देखा है, लेकिन हम मजबूत और एकजुट रहे हैं। यह डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान के कारण है, जो हमें उन पड़ोसी देशों से अलग करता है, जहां अशांति का माहौल है।

श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल में नेपाल में अशांति के कारण सरकारों में बदलाव हुआ है, साथ ही दंगों और आगजनी के कारण नागरिकों को बड़े पैमाने पर परेशानी का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा, पिछले 22 वर्षों में एक न्यायाधीश के रूप में, मैंने न्याय के विकेंद्रीकरण के लिए आवाज उठाई है और यह सुनिश्चित किया है कि कई न्यायिक बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी हों। मुझे सबसे अधिक संतोष कोल्हापुर सर्किट बेंच (मुंबई उच्च न्यायालय की) और यह मंडणगड न्यायालय भवन को देखकर हुआ है, जो दो वर्षों में बनकर तैयार हुआ है।

इसे एक सपने के साकार होने जैसा बताते हुए प्रधान न्यायाधीश ने मंडणगड न्यायालय भवन परियोजना में तेजी लाने के लिए महाराष्ट्र सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हालांकि, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत से लोगों को न्याय मिलने की उम्मीद की जाती है।

शिक्षा कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बननी चाहिए : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारत को ऐसी शिक्षा प्रणाली की जरूरत है जो देश की समृद्ध विविधता को प्रतिबिंबित करे और यह ''कुछ लोगों का विशेषाधिकार'' न बने। उन्होंने कहा कि यह स्वतंत्रता का आधार है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने यह भी कहा कि भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली बनाने की आवश्यकता है और इसके लिए अमेरिका या पेरू के साथ साझेदारी एक संभावित रास्ता हो सकता है। कांग्रेस नेता गांधी ने पेरू की पोंटिफिकल कैथोलिक यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ चिली के छात्रों के साथ बातचीत में शिक्षा, लोकतंत्र और भू-राजनीति पर केंद्रित एक ''गहन संवाद'' किया।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर गांधी के हवाले से कहा, भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली बनाने की जरूरत है जो लोकतांत्रिक व्यवस्था में फले-फूले। इसलिए, पेरू या अमेरिका के साथ साझेदारी आगे का रास्ता हो सकता है। इसके साथ ही कांग्रेस ने दक्षिण अमेरिका में छात्रों के साथ गांधी के संवाद का एक वीडियो भी साझा किया।

गांधी ने कहा, जब शिक्षा की बात आती है तो इसकी शुरुआत जिज्ञासा से होती है और खुले विचारों से सोचने, बिना किसी डर या सामाजिक-राजनीतिक बंधनों के प्रश्न पूछने की आजादी से। शिक्षा कुछ चुनिंदा लोगों के लिए कोई विशेषाधिकार नहीं बननी चाहिए।

ट्रंप की 100 प्रतिशत शुल्क की धमकी के बावजूद पीछे नहीं हटेगा चीन

बीजिंग/एपी। चीन ने रविवार को संकेत दिया कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 100 प्रतिशत शुल्क की धमकी के बावजूद पीछे नहीं हटेगा। उसने अमेरिका से आग्रह किया कि वह धमकियों के बजाय बातचीत के जरिये मतभेदों को सुलझाए। वाणिज्य मंत्रालय ने ऑनलाइन जारी एक बयान में कहा, चीन का रुख स्पष्ट है। हम शुल्क युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हम इससे डरते भी नहीं हैं। यह प्रतिक्रिया ट्रंप द्वारा एक नवंबर तक चीन से आयात पर कर बढ़ाने की धमकी के दो दिन बाद आई है। यह धमकी कई उपभोक्ता और सैन्य उत्पादों के लिए एक प्रमुख घटक, दुर्लभ मृदा खनिजों के निर्यात पर चीन द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों के जवाब में दी गई थी। इस घटनाक्रम से ट्रंप और चीन के नेता शी चिनफिंग के बीच संभावित बैठक पटरी से उतरने और शुल्क युद्ध को लेकर बनी सहमति को लेकर संकट पैदा हो गया है। अप्रैल में दोनों पक्षों की ओर से नए शुल्क कुछ समय के लिए 100 प्रतिशत से ऊपर चले गए थे।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी भूस्खलन

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के नरसू इलाके में रविवार को भारी भूस्खलन के कारण एक होटल और आसपास की दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने बताया कि नरसू नाले में जमीन धंसने से कई इमारतें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा, भूस्खलन के कारण अमृतसरी हवेली, बुराक स्वीट्स और अजवा स्वीट नाम की इमारतें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने बताया कि अगस्त महीने में हुई हालिया बारिश के दौरान इन इमारतों को पहले ही आंशिक नुकसान पहुंच चुका था।

पाकिस्तान के साथ संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान चाहता है अफगानिस्तान : मुत्तकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष का अफगानिस्तान शांतिपूर्ण समाधान चाहता है, लेकिन यदि प्रयास सफल नहीं होते हैं तो उसके पास 'अन्य विकल्प' भी हैं। उन्होंने कहा कि उनका देश किसी भी ''बाहरी आक्रमण'' का सामना करने के लिए पूरी तरह एकजुट है।

बृहस्पतिवार को काबुल में पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच फिर से संघर्ष शुरू हो गया है। भारत की छह दिवसीय यात्रा पर आये मुत्तकी ने कहा कि कुल मिलाकर स्थिति नियंत्रण में है और उनका देश अपनी संप्रभुता का किसी भी तरह का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेगा।

पाकिस्तानी कार्रवाई के जवाब में अफगान बलों ने शनिवार रात दोनों पड़ोसी देशों के बीच सीमा पर कई पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर हमला किया, जिससे व्यापक संघर्ष की आशंका पैदा हो गई।

KIIT
Organisation in Special Consultative Status with the United Nations Economic & Social Council (UN-ECOSOC)

KALINGA INSTITUTE OF INDUSTRIAL TECHNOLOGY
KIIT Deemed to be University
(Established U/S 3 of UGC Act 1956), Bhubaneswar, Odisha, India
KIIT is only 28 years old as an institute (1997 – 2025) and 22 years old as a university.

THE World University Rankings 2026

KIIT placed globally in the Top 501 Cohort
Ranked 259th Globally in Academic Excellence
5th Best in India

Top Performer in India in Three Parameters
Industry Integration
International Outlook
Social Commitment
Strong alignment with SDG goals 4, 10 & 16

KIIT's Rank Over the Years

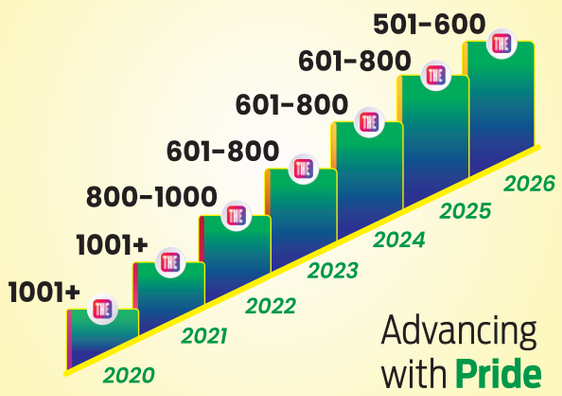

Advancing with Pride

TIMES HIGHER EDUCATION SUMMARY STATEMENT

"KIIT's performance in THE (Times Higher Education) World University Rankings 2026 reflects a decade of transformation from Local Excellence to Global Excellence. The institution has demonstrated that a socially inclusive university from Odisha can compete with the world's finest through innovation, compassion, and quality education."

"Every state aspires to have an institution ranked among the top 500 globally. I am happy that KIIT, a 28-year-old institution (established in 1997) and a Deemed to be University for 22 years (declared in 2004), has been placed among the premier institutions and universities of the world in the 501 cohort. This accomplishment is a matter of pride for Odisha in particular, and for India as a whole."

Achyuta Samanta (Founder-KIIT,KISS & KIMS)

OTHER RANKINGS

17th Among Indian Universities Ranked by NIRF, Govt. of India — nirf 2025
A++ Grade Accrediated by NAAC
Tier 1 Re-accredited by NBA All Engineering Programs for 6 Years
1st in Odisha, 9th in India Among private universities — QS World University Rankings 2026
ABET (US) Accreditation
The Institution of Engineering and Technology
Special Consultative Status by the UN-ECOSOC
Partnership with UN Volunteers

KIIT-DU, Patia, Bhubaneswar, Odisha, India 751024 kiit@kiit.ac.in www.kiit.ac.in

KIIT (Deemed to be University) has only one permanent campus in Bhubaneswar, Odisha.
It has no other campus / off campus anywhere else in the country and globe.

पेश है
चेक्स की ज़्यादा तेज़ क्लियरिंग

अब से,
बैंक उसी दिन चेक्स पास/रिटर्न करेंगे।
ग्राहकों को उसी दिन क्रेडिट मिलेगा।

3 जनवरी 2026 से,
बैंक 3 घंटों के भीतर चेक पास/रिटर्न करेंगे।
ग्राहकों को कुछ ही घंटों में क्रेडिट मिलेगा।

इसका क्या अर्थ है?
- अधिक तेजी से राशि की उपलब्धता
- बेहतर सुविधा
- विलंब में कमी

ध्यान देने योग्य पॉइंट
- चेक बाउंस टालने के लिए पर्याप्त बैलेंस बनाए रखें

क्यूआर कोड स्कैन करें
अधिक ब्यौरा के लिए, अपने बैंक से संपर्क करें या आरबीआई की अधिसूचना दिनांकित 13 अगस्त 2025 पढ़ें। प्रतिक्रिया के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें।
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नं. 99990 41935 / 99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

देश में एक लाख से अधिक एकल-शिक्षक स्कूल 33 लाख से ज्यादा छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं: आंकड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश भर में 33 लाख से ज्यादा छात्र एकल-शिक्षक वाले एक लाख से अधिक स्कूलों में नामांकित हैं और आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे अधिक है, जबकि इनमें से उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक छात्रों का नामांकन है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, देश में 1,04,125 स्कूल ऐसे थे जिनका संचालन एकल शिक्षक द्वारा किया जाता था, और ऐसे स्कूलों में 33,76,769 छात्र नामांकित थे। यानी, औसतन प्रत्येक स्कूल में करीब 34 छात्र थे। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) पर 30:1 और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) पर 35:1 का छात्र-शिक्षक अनुपात अनिवार्य करता है। देश में सबसे अधिक 'एकल-शिक्षक' वाले स्कूल आंध्र प्रदेश में हैं, इसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। हालांकि, एकल शिक्षक वाले स्कूलों में छात्रों के नामांकन के मामले में उत्तर प्रदेश इस सूची में शीर्ष पर है। उसके बाद झारखंड, पश्चिम बंगाल और मध्यप्रदेश का स्थान है।

एकल शिक्षक वाले स्कूलों की संख्या 2022-23 के 1,18,190 से घटकर 2023-24 में 1,10,971 हो गई, जो लगभग छह प्रतिशत की गिरावट है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, सरकार स्कूलों के विलय और स्कूलों के एकीकरण, जिसे अक्सर 'स्कूलों का युक्तिकरण' कहा जाता है, के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम संभव उपयोग सुनिश्चित करने पर काम कर रही है।

अधिकारी ने कहा, एकल शिक्षक वाले स्कूल शिक्षण प्रक्रिया को बाधित करते हैं और इसलिए शिक्षकों की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए शून्य छात्र नामांकन वाले स्कूलों से एकल शिक्षक वाले स्कूलों में शिक्षकों को फिर से तैनात करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आंध्र प्रदेश में 12,912, उत्तर प्रदेश (9,508), झारखंड (9,1720), महाराष्ट्र (8,152), कर्नाटक (7,349), लक्षद्वीप (7,217), मध्यप्रदेश (7,217), पश्चिम बंगाल (6,482), राजस्थान (6,117), छत्तीसगढ़ (5,973) और तेलंगाना में 5,001 एकल-शिक्षक स्कूल हैं। दिल्ली में नौ एकल-शिक्षक विद्यालय हैं। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी, लद्दाख, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव और चंडीगढ़ में एक भी एकल-शिक्षक विद्यालय नहीं है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में केवल चार एकल-शिक्षक विद्यालय हैं।

एकल-शिक्षक वाले विद्यालयों में छात्र नामांकन के मामले में, उत्तर प्रदेश 6,24,327 छात्रों के साथ शीर्ष स्थान पर है। इसके बाद झारखंड (4,36,480), पश्चिम बंगाल (2,35,494), मध्यप्रदेश (2,29,095), कर्नाटक (2,23,142), आंध्र प्रदेश (1,97,113), और राजस्थान (1,72,071) का स्थान है।

90 प्रतिशत भारतीय प्रमाणित इलाज पर ज्यादा खर्च करने को तैयार: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में करीब 83 प्रतिशत मरीज अपने स्वास्थ्य देखभाल विकल्पों के लिए सटीक और सुलभ जानकारी चाहते हैं। दूसरी ओर करीब 90 प्रतिशत प्रमाणित गुणवत्ता वाले इलाज के लिए ज्यादा खर्च करने को तैयार है। फिक्की और ईवाई-पार्थेनन की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

इस रिपोर्ट के अनुसार भारत की स्वास्थ्य सेवाएं वैश्विक स्तर पर बहुत अच्छी हैं, लेकिन संरचनात्मक और वित्तीय दबाव यह संकेत देते हैं कि एक राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक ढांचा तैयार किया जाना आवश्यक है, जिससे मरीज सूचित निर्णय ले सकें। इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए 40 शहरों के 250 अस्पतालों पर शोध किया गया। इस दौरान 1,000 से अधिक मरीजों और 100 से ज्यादा चिकित्सकों की राय ली गई। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में प्रति व्यक्ति अस्पताल के बिस्तरों की उपलब्धता 2000 से अब तक दोगुनी हो गई है, फिर भी यह वैश्विक मानकों की तुलना में बहुत कम है। भारत में औसतन प्रति अस्पताल केवल 25-30 बिस्तर हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संख्या 100 से अधिक होती है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 83 प्रतिशत मरीज इलाज के संबंध में निर्णय करने के लिए सटीक और आसान जानकारी चाहते हैं। इसके मुताबिक उन्हें अस्पतालों की रेटिंग या इलाज के नतीजों की भरोसेमंद जानकारी से लाभ मिल सकता है।

फिलिप्स भारत में लाएगी वैश्विक उत्पाद, रहेगा पुरुष सौंदर्य और मातृ-शिशु देखभाल पर जोर

मुंबई/भाषा। वैश्विक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी कंपनी फिलिप्स भारत में अपने पुरुष सौंदर्य और मातृ एवं शिशु देखभाल उत्पादों की शृंखला को मजबूत करना जारी रखेगी। इसके अलावा वह घरेलू बाजार में अपने वैश्विक उत्पादों की पेशकश को भी आगे बढ़ाएगी। फिलिप्स इंडिया ने यह भी कहा कि बाजार में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की ओर रुझान तेजी से बढ़ रहा है और कंपनी प्रीमियम खंड में 75 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देख रही है। फिलिप्स पर्सनल हेल्थ (भारतीय उपमहाद्वीप) के प्रमुख स्मित शुक्ला ने कहा, हम पुरुषों की देखभाल और मां-बच्चे की देखभाल से जुड़े उत्पादों को नवाचार और सुधारों के साथ लगातार बेहतर बनाते रहेंगे। साथ ही जो हमारे उत्पाद विदेशों में बहुत लोकप्रिय हैं, उन्हें भी हम भारत में लाना जारी रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी के पास दांतों की देखभाल के क्षेत्र में एक बड़ा वैश्विक उत्पाद संग्रह है और वह इसे भारत में लाने पर विचार कर रही है। स्मित शुक्ला के अनुसार, फिलहाल कंपनी यह समझने की कोशिश कर रही है कि भारत में ऐसे उत्पादों की उपभोक्ता मांग कैसे बढ़ाई जा सकती है।

बीएसएफ की वायु शाखा को मिली पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की वायु शाखा को अपने 50 साल से अधिक के इतिहास में पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर मिली है। बीएसएफ की वायु शाखा में पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर की नियुक्ति आंतरिक प्रशिक्षण पूरा होने के बाद हुई है।

इंस्पेक्टर भावना चौधरी और चार पुरुष अधीनस्थ अधिकारियों को हाल में बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने फ्लाइंग बैज प्रदान किए। सीमा सुरक्षा बल को 1969 से गृह मंत्रालय (एमएचए) की विमानन इकाई का संचालन करने का दायित्व सौंपा गया है और यह सभी अर्द्धसैनिक बलों और एनएसजी व एनडीआरएफ जैसे विशेष बलों की अभियानगत आवश्यकताओं को पूरा करता है। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पांच अधीनस्थ अधिकारियों को ''बीएसएफ वायु शाखा के प्रशिक्षकों द्वारा शुरू से ही प्रशिक्षित किया गया था और उन्होंने हाल में अपना दो महीने का प्रशिक्षण पूरा किया है। अगस्त से शुरू हुए दो महीने के आंतरिक प्रशिक्षण के दौरान पांचों कर्मियों को 130 घंटे तक प्रशिक्षित किया गया और उन्हें काम का वास्तविक अनुभव भी मिला क्योंकि बीएसएफ वायु शाखा की विभिन्न इकाइयों ने पंजाब और अन्य राज्यों में हाल में आई बाढ़ के दौरान भी परिचालन उड़ानें भरीं। बीएसएफ वायु सेना को अपने एमआई-17 हेलीकॉप्टर बेड़े में फ्लाइट इंजीनियरों की गंभीर कमी का सामना करना पड़ रहा है। एक अधिकारी ने कहा, वायु सेना (आईएएफ) ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों के पहले बैच को प्रशिक्षित किया, लेकिन पांच कर्मियों के दूसरे बैच को विभिन्न बाधाओं के कारण वहां प्रशिक्षण नहीं मिल सका। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद बीएसएफ ने अपनी वायु शाखा के लिए फ्लाइट इंजीनियरों को तैयार करने के वास्ते आंतरिक प्रशिक्षण आयोजित करने की अनुमति पाने के लिए गृह मंत्रालय से संपर्क किया और इंस्पेक्टर चौधरी सहित पांच कर्मियों ने हाल में अपना प्रशिक्षण पूरा किया।

मोदी सरकार आरटीआई कानून को कमजोर कर रही, लोकतंत्र को खोखला कर रही : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम को ''व्यवस्थित रूप से कमजोर'' करने और लोकतंत्र एवं नागरिकों के अधिकारों को ''खोखला'' करने का आरोप लगाया।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 20 साल पहले, तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस-नीत संप्रग सरकार ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 को लागू कर पारदर्शिता और जवाबदेही के एक नए युग की शुरुआत की थी। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने व्यवस्थित रूप से आरटीआई अधिनियम को कमजोर किया है, जिससे लोकतंत्र और नागरिकों के अधिकार खोखले हो रहे हैं। कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि 2019 में मोदी सरकार ने आरटीआई अधिनियम पर ''कुठाराघात'' किया, सूचना आयुक्तों के कार्यकाल और वेतन पर नियंत्रण कर लिया तथा ''स्वतंत्र निगरानीकर्ताओं को गुलाम पदाधिकारियों में बदल दिया। उन्होंने कहा, केंद्रीय सूचना आयोग मुख्य सूचना आयुक्त के बिना काम कर रहा है- 11 वर्षों में सातवीं बार यह महत्वपूर्ण पद रिक्त पड़ा है। वर्तमान में इसमें आठ रिक्तियाँ हैं, जो 15 महीनों से खाली हैं, जिससे अपील प्रक्रिया ठप हो गई है तथा हजारों लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। खरगे ने दावा किया कि ''कोई डेटा उपलब्ध नहीं है'' जैसा एक भयावह सिद्धांत अब प्रचलित है, जहां सरकार कोविड के दौरान हुई मौतों, एनएसएसओ 2017-18, एसयूएसई 2016-2020, पीएम केयर्स और अन्य मुद्दों की जानकारी पर बंदिश लगाती है, तथा जवाबदेही से बचने के लिए तथ्यों में अस्पष्टता रखती है।

अभिषेक मनु ने नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलने पर ट्रंप पर कटाक्ष किया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने रविवार को नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर कटाक्ष किया लेकिन खुद ही इसे एक ''खराब मजाक'' कहा। सिंघवी ने 'एक्स' पर एक अस्वीकरण में लिखा, हल्के अंदाज में... उचित 'खराब मजाक पीजे' की चेतावनी के साथ... लेकिन निश्चित रूप से मजाकिया। उन्होंने वेनेजुएला की विपक्षी कार्यकर्ता मारिया कोरिना मचाडो के प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने का जिक्र करते हुए 'एक्स' पर कहा, ट्रंप: अगर मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं दिया, तो मैं दुनिया में तहलका मचा दूंगा... नोबेल समिति: मचा दो (मचाडो)।

नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को की गई थी। ट्रंप ने कहा था कि वह शांति पुरस्कार के हकदार हैं। उनका दावा है कि उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान संघर्ष समेत दुनिया भर में कई युद्धों को रोका है। हालांकि, नॉर्वे की नोबेल समिति ने कहा कि वह मचाडो को 'वेनेज़ुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने के उनके अथक कार्य और तानाशाही से लोकतंत्र की दिशा में न्यायपूर्ण एवं शांतिपूर्ण तरीके से बढ़ने में उनके संघर्ष' के लिए सम्मानित कर रही है। हालांकि, मचाडो ने कहा कि वह अपनी जीत को अपने देश के लोगों के साथ-साथ ट्रंप को समर्पित करना चाहती हैं। उन्होंने उनके उद्देश्य का समर्थन करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रशंसा की।

अवैध हथियार गतिविधियों में शामिल दो लोग गिरफ्तार: पंजाब पुलिस

चंडीगढ़/भाषा। अवैध हथियारों संबंधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके कब्जे से छह पिस्तौल बरामद की गई हैं। पंजाब पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस महानिदेशक(डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि संदीप सिंह और शेखर बंबीहा गैंग के सहयोगी हैं। गैंगस्टर रोधी कार्य बल और बरनाला पुलिस के एक संयुक्त अभियान में दोनों को पकड़ा गया। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, उनके पास से कुल छह पिस्तौल (एक पीएक्स5, .32 बोर की चार पिस्तौल, और .30 बोर की एक पिस्तौल) और 19 कारतूस बरामद किए गए हैं।

डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि आरोपी विदेशी आकाओं के निर्देश पर बंबीहा गैंग के गुर्गों को इन हथियारों की आपूर्ति करने की योजना बना रहे थे ताकि वे राज्य में सनसनीखेज अपराधों को अंजाम दे सकें। उन्होंने कहा कि जांच जारी है ताकि पूरी आपूर्ति शृंखला की पहचान कर उसे नष्ट किया जा सके।

कांग्रेस ने मोदी सरकार पर आरटीआई कानून को 'व्यवस्थित रूप से खत्म' और 'कमजोर' करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर सूचना के अधिकार अधिनियम को ''व्यवस्थित रूप से खत्म'' और ''कमजोर'' करने का आरोप लगाया। यह अधिनियम दो दशक पहले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार द्वारा शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया था।

सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की 20वीं वर्षगांठ पर, कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा के लिए आरटीआई का मतलब ''धमकाने का अधिकार'' है। पार्टी ने दावा किया कि सत्तारूढ़ सरकार ने केंद्रीय सूचना आयोग को भी एक ''दंतविहीन'' संस्था बना दिया है, जिसका शीर्ष पद और सात सूचना आयुक्तों के पद लंबे समय से खाली पड़े हैं।

बारह अक्टूबर, 2005 को लागू किए गए इस अधिनियम की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा, भाजपा के लिए आरटीआई का मतलब 'धमकाने का अधिकार' है। रमेश ने कहा कि इस क्रांतिकारी कानून का उद्देश्य और मंशा सरकार के कामकाज में पारदर्शिता लाना और उसे जवाबदेह बनाना था। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने 2019 में इस अधिनियम को कमजोर करने और सीआईसी को एक ''दंतविहीन'' संस्था में बदलने के लिए इसमें संशोधन किए।

कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि मोदी सरकार आरटीआई को प्रभावी ढंग से खत्म करने के लिए आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन करने के उद्देश्य से डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम लेकर आई। रमेश ने कहा कि केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) केवल दो सदस्यों द्वारा चलाया जा रहा है और मुख्य सूचना आयुक्त और सात अन्य आयुक्तों का पद पिछले दो वर्षों से खाली पड़ा है। उन्होंने कहा, सीआईसी मुख्यालय एक भूतहा घर जैसा दिखता है।

दिल्ली के जैन मंदिर से 40 लाख रुपए मूल्य का सोने का कलश चोरी

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर इलाके में एक जैन मंदिर के शिखर से लगभग 40 लाख रुपए मूल्य का सोने की परत चढ़ा कलश कथित तौर पर चोरी हो गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरी की घटना रिकॉर्ड हो गई और चोरी के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। एक वीडियो क्लिप में एक व्यक्ति को कथित तौर पर सोने की परत वाले कलश को चोरी करने के बाद मंदिर परिसर के एक खंभे से नीचे उतरते हुए देखा जा सकता है, जबकि एक अन्य वीडियो में उसे अंधेरे में कलश ले जाते हुए दिखाया गया है। यह घटना शुक्रवार और शनिवार की मध्य रात्रि में घटी, जब क्षेत्र के अधिकांश निवासी करवा चौथ के उत्सव में व्यस्त थे। पुलिस के अनुसार, चोरी किया गया कलश, अष्टधातु' (आठ धातुओं का मिश्रण) से बना था और कई साल पहले मंदिर के ऊपर स्थापित किया गया था। इसमें लगभग 200 ग्राम सोना था और इसकी अनुमानित कीमत लगभग 35-40 लाख रुपए है। अधिकारी ने कहा, अआरोपी की पहचान करने और उसे पकड़ने के लिए टीम गठित की गई हैं। उसकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए तकनीकी निगरानी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

दिवाली के लंबे सप्ताहांत के कारण आतिथ्य, यात्रा सेवाओं की मांग में जबर्दस्त उछाल

नई दिल्ली/भाषा। दिवाली के लंबे सप्ताहांत से पहले इस त्योहारी मौसम में आतिथ्य और यात्रा सेवा प्रदाताओं की मांग में जबर्दस्त वृद्धि देखी जा रही है। शहरी और मनोरंजन स्थलों के लिए अच्छी बुकिंग दर्ज की गई है, और इंटरसिटी बस सेवाओं में बुकिंग का स्तर 95-100 प्रतिशत तक पहुंच गया है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार मध्यम स्तर के होटल और मध्यम बाजार के घरेलू ग्राहकों के लिए एक प्रमुख प्रेरक के रूप में कार्य कर रहा है, जिससे यात्रियों के लिए कम प्रसिद्ध स्थलों की खोज करना आसान हो गया है।

होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) के अध्यक्ष के बी काचरू ने कहा कि शुरुआती रुझानों से पता चलता है कि होटल में बुकिंग बढ़ी है। यह परिवार, दोस्तों के साथ छुट्टियां बिताने और त्योहार मनाने के लिए यात्रियों के उत्साह को दर्शाता है। उन्होंने कहा, इस सीजन में बुकिंग का तरीका दर्शाता है कि यात्री सुविधा, लचीलेपन और चुनिंदा अनुभवों को प्राथमिकता देते हैं। काचरू, जो रेडिसन होटल समूह के दक्षिण एशिया के चेयरमैन भी हैं, ने आगे कहा कि दूसरी श्रेणी के शहरों और उभरते गंतव्यों में मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है, क्योंकि यात्री विरासत स्थलों, स्थानीय संस्कृति और अनोखे अनुभवों की तलाश में हैं। उन्होंने कहा, यह यात्रा विकल्पों में व्यापक विविधता को दर्शाता है, क्योंकि घरेलू पर्यटक पारंपरिक महानगरों से आगे बढ़कर अधिक सार्थक और यादगार यात्राओं की ओर रुख कर रहे हैं।

एबिक्स ट्रैवल्स, डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड के मुख्य रणनीति अधिकारी, विक्रम धवन ने कहा, इस साल दिवाली के साथ लंबा सप्ताहांत होने के कारण, हम देख रहे हैं कि यात्री छुट्टियों के अनुभव को अधिकतम करने के लिए अपनी यात्राओं की योजना पहले से ही बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंटरसिटी बस मार्ग लगभग पूरी क्षमता से चल रहे हैं, जिनमें यात्रियों की संख्या 95-100 प्रतिशत तक पहुंच रही है और किराये में सामान्य से 1.5 से तीन गुना वृद्धि हो रही है, जो इस अवधि के दौरान मजबूत मांग को दर्शाता है।

शासन का मुख्य लक्ष्य सभी नागरिकों तक सेवाओं का लाभ पहुंचाना है : विष्णु देव साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को यहां एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हर एक नीति और योजना का लाभ समयबद्ध तथा पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंचाना शासन का मुख्य लक्ष्य है। यहां जारी एक सरकारी बयान में कहा गया है कि नवा रायपुर स्थित महानदी भवन (मंत्रालय) में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव विकास शील समेत सभी विभागीय सचिव, संभागीय आयुक्त और कलेक्टर मौजूद रहे।

निर्धारित समय से पहले शुरू हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि शासन का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक नीति और योजना समय पर एवं पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंचे। इसे मात्र एक समीक्षा बैठक नहीं बल्कि सार्वजनिक सेवा के नए मानक स्थापित करने का अवसर बताते हुए साय ने अधिकारियों को आगाह किया कि परिणाम केवल कागजों पर नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर भी दिखाई देने चाहिए। उन्होंने कहा, लोगों के बीच अधिकारियों की मौजूदगी और नागरिकों के प्रति उनकी संवेदनशीलता उनकी पहचान को परिभाषित करेगी। स्वास्थ्य सेवा पर साई ने कहा कि यह उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 100 प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने क्षेत्रीय निरीक्षण के माध्यम से टीकाकरण की वास्तविक स्थिति की पुष्टि किए जाने पर जोर दिया।

मटाटा और रेंगरुक बनें दिल्ली हाफ मैराथन के चैंपियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कीनिया के लंबी दूरी के धावक एलेक्स मटाटा और लिलियन कासेट रेंगरुक ने रविवार को वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग की एलीट दौड़ जीतीं।

पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रहे मटाटा ने रविवार को 59 मिनट 50 सेकंड का समय निकालकर बोयेलिन टेशागर (एक घंटा 22 सेकंड) और जेम्स किपकोगी (एक घंटा 25 सेकंड) को पछाड़ा। दोनों विजेताओं को 27,000 डॉलर का पुरस्कार मिला। कीनिया के रेंगरुक ने एक घंटे सात मिनट 20 सेकंड का समय निकालकर महिला वर्ग का खिताब जीता। इथियोपिया की जोड़ी मेलाल सियूम बिरातु (एक घंटा सात मिनट 21 सेकंड) और मुलत टेकले (एक घंटा सात मिनट 29 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता के दूत और नौ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कार्ल लुईस ने समापन रेखा पर विजेताओं का स्वागत किया। हाफ मैराथन, ओपन 10के, चैंपियंस विद डिसेबिलिटी रन, सीनियर सिटीजन रन' और 'ग्रेट दिल्ली रन' सहित विभिन्न श्रेणियों में 40,000 से अधिक धावकों ने दिल्ली की सड़कों पर दौड़ लगाई। मटाटा ने दौड़ की शुरुआत से अपना दबदबा कायम करते हुए इथोपिया के टेशागर और हमवतन किपकोगी को आसानी से पछाड़ा। इस 28 साल के धावक ने इस वर्ष की शुरुआत में चीन में आयोजित विश्व एथलेटिक्स प्लेटिनम स्तर की दौड़ मीशान रेनशो हाफ मैराथन को 59:28 सेकंड में पूरा करके जीता था। मटाटा ने खिताब जीतने के बाद कहा कि वह अपने बीमार भाई के चेहरे पर खुशी लाने के लिए दौड़ के दौरान खुद को प्रेरित कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह जश्न... मैं अपने और अपने भाई के लिए मना रहा हूं। मुझे लग रहा था कि यहां मेरी जगह मेरा भाई दौड़ रहा है। वह बीमार है तो मैंने सोचा की उसकी चेहरे पर खुशी के लिए पूरी ताकत झोंक देनी चाहिए। उन्होंने पिछले साल के मुकाबले इस साल की परिस्थितियों को बेहतर करार देते हुए कहा, यह एक शानदार अनुभव था, मुझे ट्रैक की अच्छी जानकारी थी, तो मैंने खुद से कहा, दौड़ पूरी होने तक जोर लगाते हैं' और मैंने योजनाबद्ध तरीके से ऐसा किया और जीत दर्ज करने में सफल रहा। उन्होंने कहा, इस बार का अनुभव बेहतर था क्योंकि पिछली बार की तुलना में गर्मी और उमस कम थी।

इसके विपरीत महिलाओं की दौड़ बेहद रोमांचक रही। विश्व क्रॉस-कंट्री की कई पदक विजेता और खिताब की दावेदार रेंगरुक अंतिम चरण में बढ़त बनाते हुए इथियोपिया खिलाड़ियों को पीछे छोड़ने में सफल रही। इस दौरान पहली बार अपने देश से बाहर दौड़ रही बिरातु ने रेंगरुक को कड़ी टक्कर देते हुए प्रभावित किया। रेंगरुक ने खिताब जीतने के बाद कहा, यह दौड़ कठिन थी और सभी धावक शानदार थे। मैंने खुद से कहा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं क्योंकि मुझमें दौड़ पूरी करने की ताकत थी।

जाति-विरोधी कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक स्थानों से जातिगत नाम हटाने के आदेशों की शर्तों पर जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में जी. डी. नायडू फ्लाईओवर नाम रखे जाने को लेकर एक तरफ जहां राजनीतिक नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिल रहा, वहीं दूसरी ओर जाति-विरोधी कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार द्वारा जारी किये गए आदेश (जीओ) की शर्तों को लेकर चिंता व्यक्त की है।

इस सिलसिले में छह अक्टूबर को एक सरकारी आदेश जारी किया गया था। इसके अनुसार, जाति-आधारित नामों वाले सभी बुनियादी ढांचों की सूची तैयार की जानी चाहिए और 24 अक्टूबर तक हितधारकों के साथ परामर्श के बाद जिला सरकारी राजपत्र में नाम परिवर्तन के संबंध में अधिसूचना प्रकाशित की जानी चाहिए। लेकिन आदेश में यह भी कहा गया है कि अगर स्थानीय लोगों को नामों पर कोई आपत्ति नहीं है तो नाम बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है। समानता और न्यायसंगत समाज के निर्माण की दिशा में काम करने वाले जन आंदोलन अरप्पोर इयक्कम के संयोजक जयराम वेंकटेशन ने कहा कि वे लंबे समय से इस तरह की पहल की मांग कर रहे हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता थिरुमुरुगन गांधी ने कहा ने कहा, ''आखिरकार हमें सार्वजनिक स्थानों से जाति के नामों को हटाना ही होगा। उदाहरण के लिए वेल्लोर में सफाई कर्मचारी थोटी कॉलोनी में रहते हैं। इसलिए जैसे ही कोई व्यक्ति कहता है कि वह थोटी कॉलोनी से है उसकी जातिगत पहचान स्थापित हो जाती है। हम इसके खिलाफ लड़ रहे हैं।'' इस बीच, 11 अक्टूबर को जी. डी. नायडू फ्लाईओवर विवाद पर बात करते हुए तमिलनाडु के विद्युत, वित्त और मानव संसाधन प्रबंधन मंत्री थंगम थेन्नारासु ने आश्वासन दिया कि छह अक्टूबर को आधिकारिक तौर पर जारी किए गए दिशानिर्देश और प्रक्रियाएं यह सुनिश्चित करेंगी कि जाति-आधारित नामों को सार्वजनिक स्थानों से हटा दिया जाए।

कांचीपुरम एकम्बरेश्वर मंदिर में 17 साल बाद आठ दिसंबर को होगी प्राण प्रतिष्ठा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांचीपुरम एकम्बरेश्वर मंदिर में 17 साल बाद आठ दिसंबर को होगी प्राण प्रतिष्ठा

चेन्नई। तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित 1,300 साल पुराने अरुलमिगु एकम्बरनाथर मंदिर में 17 साल बाद आठ दिसंबर को फिर से पूजा शुरू होगी। मंदिर के एक पदाधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु सरकार के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ निधि (एचआर एंड सीई) विभाग द्वारा प्रबंधित इस मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ निधि मंत्री पीके शेखर बाबू ने 12 अक्टूबर को इस तिथि की आधिकारिक घोषणा की थी।

हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ निधि (एचआर एंड सीई) विभाग मंदिर के

द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में दरारें दिखाई देने लगी हैं : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम अन्ना द्रविड मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी ने रविवार को कहा कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन में दरारें दिखाई देने लगी हैं। पलानीस्वामी में मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि द्रमुक की सहयोगी कांग्रेस ने वर्ष 2026 में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों में मैदान में उतरने के लिए और अधिक सीटों की मांग शुरू कर दी है।

पलानीस्वामी ने द्रमुक और उसके सहयोगियों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें अन्नाद्रमुक गठबंधन के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। पलानीस्वामी ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमारे गठबंधन में पार्टियां स्वतंत्र रूप से बातचीत करने में सक्षम हैं जबकि द्रमुक के साथ ऐसा नहीं है। आज कई मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि कांग्रेस ने आगामी चुनावों के लिए पहले ही अधिक सीटों की मांग शुरू कर दी है। द्रमुक गठबंधन में दरारें दिखाई देने लगी हैं।

सुरेश गोपी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफे की पेशकश की

सदानंदन को मंत्री बनाने की सिफारिश की

कन्नूर/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा देने की इच्छा जताई और भाजपा के नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य सी सदानंदन मास्टर को केंद्रीय मंत्रिमंडल में उनकी जगह दिए जाने की सिफारिश की। यहां सदानंद की मौजूदगी में एक समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गोपी ने कहा कि सदानंद का राज्यसभा सदस्य बनना उत्तरी कन्नूर जिले की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

उन्होंने कहा, मैं यहां पूरी ईमानदारी से कह रहा हूं कि मुझे हटाकर सदानंदन मास्टर को (केंद्रीय) मंत्री बनाया जाना चाहिए। मेरा मानना है कि यह केरल के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय बनेगा। केंद्रीय पेट्रोलियम और पर्यटन राज्य मंत्री गोपी ने कहा कि वह कामना करते हैं कि सदानंदन के सांसद कार्यालय को जल्द ही मंत्री कार्यालय में बदला जाएगा। वह राज्य के सबसे युवा भाजपा सदस्यों में से एक हैं और अक्टूबर 2016 में ही पार्टी में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में जीत के बाद पार्टी ने उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया। गोपी ने कहा, मैं अपना फ़िल्मी करियर छोड़कर कभी मंत्री नहीं बनना चाहता था। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में उनकी आय काफी कम हुई है। कन्नूर जिले के भाजपा के वरिष्ठ नेता सदानंदन मास्टर राजनीतिक हिंसा के शिकार रहे हैं। 1994 में माकपा कार्यकर्ताओं के एक कथित हमले में उन्होंने अपने दोनों पैर गंवा दिए थे।

नारा लोकेश ने विशाखापत्तनम में सिफी के 1,500 करोड़ रुपये के एआई एज डेटा सेंटर की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने रविवार को यहां सिफी टेक्नोलॉजीज के 1,500 करोड़ रुपये के एआई एज डेटा सेंटर और ओपन केबल लैंडिंग स्टेशन की आधारशिला रखी। पचास मेगावाट की यह सुविधा नैरडैक में सूचीबद्ध सिफी टेक्नोलॉजीज की अनुषंगी कंपनी सिफी द्वारा विशाखापत्तनम में सरकार द्वारा आवंटित 3.6 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही है।

तेलुगू देशम पार्टी के एक बयान में कहा गया, लोकेश ने विशाखापत्तनम में सिफी टेक्नोलॉजीज के 1,500 करोड़ रुपये के एआई एज डेटा सेंटर और ओपन केबल लैंडिंग स्टेशन (सीएलएस) की आधारशिला रखी, जो डिजिटल बुनियादी ढांचे में एक नए युग का प्रतीक है। एआई एज डेटा सेंटर और सीएलएस विशाखापत्तनम को भारत का अगला वैश्विक डिजिटल गेटवे' बनाएंगे, जिससे समुद्र के नीचे संपर्क और एआई बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। बयान में कहा गया है कि इस परियोजना से 1,000 से ज़्यादा लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

स्टालिन के आवास पर बम की धमकी भरी फर्जी कॉल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के आवास पर बम की धमकी भरी फर्जी कॉल करने के आरोप में 36-वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान अयप्पन के रूप में हुई है, जो पहले भी ऐसे मामलों में शामिल रह चुका है। उसने शनिवार को पुलिस नियंत्रण कक्ष में कॉल करके दावा किया था कि मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में बम रखा गया है। सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता और तेनाम्पेट पुलिस थाने के कर्मियों को मौके पर भेजा गया।

पुलिस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, तलाशी के बाद परिसर को सुरक्षित घोषित किया गया। विज्ञप्ति के मुताबिक, जांच के बाद चेंगलपट्टू जिले के तिरुपोरूर निवासी अयप्पन को धमकी भरी फर्जी कॉल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जिस मोबाइल से कॉल की गई थी, उसे भी जब्त कर लिया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि अय्यप्पन ने वर्ष 2020 में कोयंबेडु बस टर्मिनस, एगमोर रेलवे स्टेशन और चेन्नई हवाई अड्डे पर भी इसी तरह की झूठी धमकियां दी थीं। वर्ष 2021 में भी मुख्यमंत्री के आवास पर ऐसी ही धमकी भरी फर्जी कॉल के मामले में उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आरोपी शारीरिक रूप से दिव्यांग है। उसकी दो बेटियां है और वह शराब का आदी है। उसे भविष्य में ऐसे अपराध न करने की सलाह दी गई है और जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

कलपक्कम में 'फास्ट ब्रीडर' संयंत्र में ईंधन भरने का काम अगले सप्ताह शुरू होगा

चेन्नई। तमिलनाडु के कलपक्कम में भारत के पहले प्रोटोटाइप 'फास्ट-ब्रीडर' संयंत्र में ईंधन भरने का काम कई चुनौतियों को पार करने के बाद अगले सप्ताह शुरू होने की उम्मीद है। 'सोडियम-कूल्ड' 500 मेगावाट संयंत्र पर काम करने वाले परमाणु वैज्ञानिकों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''अगले सप्ताह की शुरुआत में हम ईंधन भरना शुरू कर देंगे। प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किए जाने के बाद पिछली बार कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण हम ईंधन नहीं भर पाए थे। अब हमने उन समस्याओं को दूर कर लिया है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल मार्च में इस संयंत्र में ''कोर लोडिंग'' का अवलोकन किया था। एक बार चालू हो जाने पर 500 मेगावाट क्षमता वाला 'फास्ट ब्रीडर' संयंत्र दुनिया में अपनी तरह का दूसरा संयंत्र होगा। रूस में 800 मेगावाट क्षमता वाला ऐसा 'फास्ट ब्रीडर' संयंत्र संचालित होता है। कुछ अन्य देशों ने इस जटिल प्रौद्योगिकी में महारत हासिल करने की कोशिश की लेकिन हार मान ली। एक अधिकारी ने कहा, ''हमें कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, कुछ आश्चर्यजनक बातें भी हुई क्योंकि हम पहली बार इस पैमाने पर ''सोडियम-कूल्ड'' संयंत्र का संचालन कर रहे हैं।'' 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' का चालू होना भारत के तीन-चरणीय परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण का प्रतीक होगा, जिसका उद्देश्य रेडियोधर्मी कचरे को कम करने के लिए खर्च किए ईंधन का पुनर्चक्रण करना है।

बिहार से आए प्रवासी मजदूरों के लिए वापस जाकर मतदान करना दूर का सपना

चेन्नई। बिहार में नवंबर की शुरुआत में दो चरणों में होने वाले चुनाव में मतदान करना तमिलनाडु में रहने वाले कई प्रवासी मजदूरों के लिए दूर का सपना बना हुआ है। करीब 2,000 किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा कर तमिलनाडु में आकर नौकरियां कर रहे इन प्रवासी मजदूरों के लिए छुट्टी लेना लगभग असंभव है। अपना घर-बार छोड़कर कम रुपयों में नौकरियों के लिए तमिलनाडु में बसने वाले लोग भी मतदान के लिए बिहार जाने की नहीं सोच रहे हैं।

निर्माण कार्य में लगे मजदूर अजय कुमार ने कहा, निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले हममें से ज्यादातर लोग निर्माण स्थल पर ही रहते हैं, अपना खाना खुद बनाते हैं और वहीं खाते हैं। हम शायद ही कभी बाहर जाते हैं। हम छुट्टियों में और कभी-कभी सूर्यास्त के बाद भी काम करते हैं ताकि अपने परिवारों के लिए कुछ अतिरिक्त रुपये कमा सकें। उन्होंने कहा, अगर मैं पटना जाने का फैसला करता हूं, तो मुझे आने-जाने में छह दिन लगेंगे तथा परिवार के साथ बिताने के लिए कुछ और दिन। इसलिए, शायद मैं घर न जा पाऊं।

बिहार के कई परिवार अब तमिलनाडु में अलग-अलग जगहों पर रह रहे हैं, जिनमें से कुछ तो केरल की सीमा से लगे कन्याकुमारी तक भी फैल गए हैं और रबर के दस्ताने बनाने, नारियल के रेशे बनाने, घरेलू काम और अन्य उद्योगों में काम करते हैं। वंचित समुदायों को सशक्त बनाने और असंगठित क्षेत्रों के लिए सहभागी ढांचे के निर्माण में जुटे गैर-सरकारी संगठन 'हील मूवमेंट' के सिलुवाई वस्थियन ने कहा, उन्होंने अपने बच्चों का दाखिला स्थानीय विद्यालयों में कराया है और कुछ प्रवासी मजदूरों ने यहां मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज भी करा लिया है। इसलिए, उनके बिहार में वोट देने की संभावना कम है। ऐसे संगठनों और स्थानीय प्रशासन के हस्तक्षेप के कारण विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत बिहारी प्रवासी परिवारों के बच्चों को श्रम से दूर कर दिया गया है और उन्हें विद्यालयों में दाखिला दिलाया गया है। ओडिशा के बाद बिहार के प्रवासी श्रमिक तमिलनाडु में अंतरराज्यीय प्रवासी प्रवासी श्रमिक कार्यरत हैं। (आईएसएम) श्रमिकों का दूसरा सबसे बड़ा समूह हैं, जिनकी संख्या राज्य में आधिकारिक तौर पर लगभग 2.51 लाख है। बिहार के प्रवासी श्रमिक तमिलनाडु की कुल पंजीकृत अंतरराज्यीय प्रवासी आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो 12.17 लाख से अधिक है। इस अंतरराज्यीय प्रवासी आबादी में ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, असम और पूर्वोत्तर के श्रमिक भी शामिल हैं। आधिकारिक अनुमान के अनुसार, तमिलनाडु के 38 जिलों में निर्माण, खनन, खदान, आतिथ्य, विनिर्माण, कपड़ा, खुदरा और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों जैसे क्षेत्रों में लगभग 35 लाख अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिक कार्यरत हैं।

आरटीआई अधिनियम की 20वीं वर्षगांठ

कांग्रेस ने इसके क्षरण के प्रति आगाह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस ने रविवार को सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की 20वीं वर्षगांठ के मौके पर इस कानून की रक्षा और मजबूती के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा इसके क्रियान्वयन को आधुनिक भारत के सबसे बड़े लोकतांत्रिक सुधारों में से एक बताया। पार्टी ने आगाह किया कि इस कानून का क्षरण लोकतंत्र का क्षरण होने जैसा है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने एक बयान में कहा कि ऐतिहासिक आरटीआई अधिनियम 12 अक्टूबर 2005 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान अस्तित्व में आया था। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम नागरिकों को सूचना तक पहुंच प्रदान करने, शासन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने और समाज में हाशिये पर मौजूद वर्गों के लिए जीवन रेखा के रूप में काम करने के मामले में मील का पत्थर साबित हुआ। हालांकि, शिवकुमार ने दावा किया कि 2014 के बाद से आरटीआई का लगातार क्षरण हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2019 में किए गए संशोधनों ने केंद्र सरकार को सूचना आयुक्तों के कार्यकाल और सेवा शर्तों पर नियंत्रण देकर स्वतंत्रता को कमजोर किया और कार्यपालिका के प्रभाव को बढ़ाया।

शिवकुमार ने कहा, आरटीआई आधुनिक भारत के सबसे बड़े लोकतांत्रिक सुधारों में से एक है, जो सरकार को नागरिकों के प्रति जवाबदेह बनाता है और इसका क्षरण लोकतंत्र के क्षरण के समान है। हालांकि, उन्होंने कहा कि 2023 के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम ने व्यक्तिगत जानकारी के दायरे को व्यापक बना दिया है, जिससे इसे खुलासे से पूर्ण छूट मिल गई है। शिवकुमार ने कहा, महत्वपूर्ण सार्वजनिक डेटा को निजी माने जाने से सार्वजनिक ऑडिट और निगरानी कमजोर होती है।

विधायक मुनिरत्नम नायडू को चुनने की आपकी हताशा मैं समझता हूँ : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को आर.आर. नगर के लोगों के साथ उनकी पसंद के विधायक मुनिरत्नम नायडू और विधायक द्वारा निर्वाचन क्षेत्र में पैदा की गई 'नारकीय' स्थिति के लिए सहानुभूति व्यक्त की। जब हम विधायक मुनिरत्नम नायडू के रवैये और व्यवहार को देखते हैं, तो मुझे लगता है कि आप नर्क में रह रहे हैं। मैं ऐसे विधायक को चुनने की आपकी हताशा को समझ सकता हूँ, उपमुख्यमंत्री ने आरआर नगर निर्वाचन क्षेत्र के मत्तीकेरे के जेपी पार्क में 'बेंगलूरु नाडिगे' कार्यक्रम के तहत एक जनसम्पर्क में भाग लेते हुए कहा। विधायक मुनिरत्नम नायडू के समर्थकों द्वारा उनके जनसंवाद कार्यक्रम में बाधा डालने पर नाखुशी जताते हुए उन्होंने कहा, मुनिरत्नम नायडू में धैर्य नहीं है।

दूसरों के कार्यक्रमों में बाधा डालना उनका स्वभाव है। मुझे पता है कि आपको इस बात का दुख है कि आपने ऐसे विधायक को चुना है। समय आने पर उन्हें उचित जवाब दीजिए। उन्होंने कहा, लोगों को तय करना होगा कि वे मुनिरत्नम नायडू जैसे विधायक को अपने साथ रखना चाहते हैं या नहीं। मैं इस बारे में बात नहीं करूँगा। मैं जानता हूँ कि जनप्रतिनिधि को कितना सम्मान दिया जाना चाहिए, लेकिन राजनीति में न तो जीत और न ही हार स्थायी होती है।

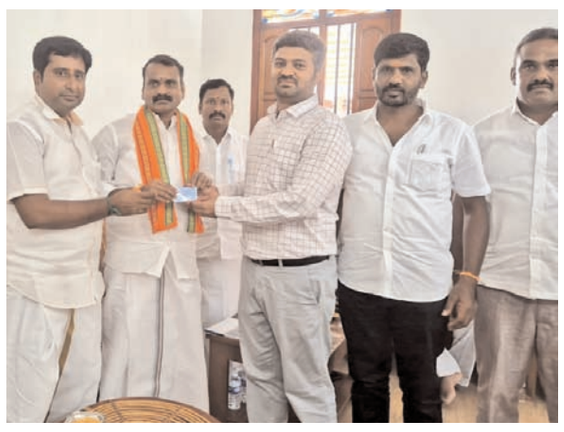

जीएसटी दरों में कटौती से उद्योगपतियों के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा हुई हैं : डॉ. एल मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अन्नूर। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने रविवार को अन्नूर में उद्योगपतियों के साथ आयोजित बैठक में भाग लिया। उन्होंने जीएसटी कटौती से होने वाले फायदों के बारे में जानकारी दी।

डॉ. एल मुरुगन ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर कहा, 'मुझे आज अन्नूर क्षेत्र में उद्योगपतियों के साथ आयोजित बैठक में भाग लेकर बहुत खुशी हो रही है।' उन्होंने कहा, 'हाल में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश की जनता को 'दिवाली उपहार' के रूप में जीएसटी दरों में कटौती की है। इससे उद्योगपतियों के लिए अनुकूल परिस्थितियां निर्मित हुई हैं।'

मंत्री ने कहा, 'इस बात पर विस्तार से चर्चा करने का अवसर मिला है कि हमारी केंद्र सरकार सदैव उद्योगपतियों का सहयोग करेगी।' बता दें कि केंद्र सरकार ने 22 सितंबर से जीएसटी में बड़े सुधार लागू कर दिए हैं। इन्हें जीएसटी 2.0 कहा जा रहा है। इससे जीएसटी की मुख्य दरें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत रह गई हैं। दैनिक उपभोग की कई चीजें या तो 5 प्रतिशत स्लैब में आ गई हैं या उन्हें जीएसटी से पूरी तरह छूट दी गई है। त्योहारी सीजन में चीजें सस्ती होने से आम लोगों को राहत मिली है।

सबरीमला में सोना गायब होने के आरोपों के बाद यूडीएफ ने की मंदिरों की संपत्तियों के ऑडिट की मांग

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने सबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर से सोना गायब होने के आरोपों के बाद केरल के हिंदू मंदिरों की संपत्ति का व्यापक ऑडिट कराए जाने की रविवार को मांग की। विपक्षी मोर्चे ने कहा कि राज्य के मंदिरों में सोना, चांदी और बड़ी मात्रा में अन्य कीमती चढ़ावा आता है और ऐसे में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

यूडीएफ के संयोजक अदूर प्रकाश ने यहां पत्रकारों से कहा, सभी हिंदू मंदिरों का ऑडिट होना चाहिए और श्रद्धालुओं को इसकी जानकारी देने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। यही हमारी मांग है। प्रकाश ने सबरीमला अनियमितताओं के संबंध में राज्य सरकार पर कुछ अधिकारियों को बलि का बकरा बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार और उसके नियंत्रण में त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) दोनों इसके लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, देवस्वओम मंत्री (वी एन वासवन) को इस्तीफा दे देना चाहिए और टीडीबी को भंग कर देना चाहिए।

कोच्चि, तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डों पर सोना जब्त

कोच्चि। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने रविवार को कोच्चि हवाई अड्डे पर विमान के शौचालय से 630 ग्राम सोना बरामद किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक गोपनीय सूचना के आधार पर डीआरआई ने सुबह करीब साढ़े चार बजे रास अल-खैमाह से कोच्चि पहुंची इंडिगो के विमान की तलाशी ली। विमान के शौचालय में 630 ग्राम सोने की एक खेप पाई गई।

सूत्रों ने बताया कि जिस व्यक्ति ने विमान के शौचालय में सोना रखा था, उसकी पहचान के प्रयास जारी हैं। इस बीच, सीमा शुल्क अधिकारियों ने तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर सोने की तस्करी का प्रयास करने के आरोप में तमिलनाडु के एक यात्री को गिरफ्तार किया। यात्री सेंथिलकुमार राजेंद्रन ने अपनी जींस की जेब में 360 ग्राम सोना छिपाकर तस्करी करने का प्रयास किया। सीमा शुल्क अधिकारियों ने बताया कि राजेंद्रन कुआलालंपुर से लौट रहे थे। सीमा शुल्क अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए सोने की कीमत लगभग 40 लाख रुपये है और मामले की जांच जारी है।

लेखा शिक्षा और अनुसंधान से सशक्त होगा देश : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि लेखा शिक्षा और अनुसंधान एक-दूसरे के पूरक हैं। अनुसंधान के माध्यम से प्राप्त नवीन तथ्यों और ज्ञान को शिक्षा में समाहित करने से शैक्षिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शिक्षा संस्थान केवल ज्ञान के केंद्र नहीं, बल्कि वे ऐसे संस्कार मंदिर हैं, जहाँ भावी पीढ़ी में कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता और मानवीय मूल्यों का बीजारोपण किया जाता है। राज्यपाल बागड़े ने ये विचार रविवार को भारतीय लेखांकन परिषद उदयपुर शाखा एवं राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय ऑल इंडिया अकाउंटिंग कॉन्फ्रेंस एंड इंटरनेशनल सेमिनार के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किए।

राज्यपाल ने कहा कि समय की ऑडिट करना भी आवश्यक है समय का सर्वोत्तम उपयोग ही जीवन की सफलता का आधार बनता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने शब्दों और वाणी को अपनी सबसे बड़ी संपत्ति समझें, क्योंकि उनका प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक होता है। उन्होंने प्राचीन भारतीय चिंतन परंपरा का उल्लेख करते हुए कौटिल्य के अर्थशास्त्र को रेखांकित किया और कहा कि राजकीय कोष एवं व्यय प्रणाली में पारदर्शिता, राष्ट्रहित और नैतिक मूल्यों को आधार बनाकर लेखा कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विचारों की परिपक्वता, सादगी और सत्य के प्रति साहस ये तीनों गुण मिलकर एक सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। बागड़े ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे लेखांकन और वाणिज्य शिक्षा में पारदर्शिता तथा नवाचार को अपनाएं, और अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखांकन के नए आयामों को राष्ट्र निर्माण से जोड़ें।

'सहकार सदस्यता अभियान' से राज्य में मजबूत हो रहा सहकारिता का नेटवर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में सहकारिता के नेटवर्क को और अधिक व्यापक बनाने में 'सहकार सदस्यता अभियान' महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो रहा है। अभियान के अंतर्गत एक ओर जहां ग्राम पंचायतों में बड़ी संख्या में तीव्र गति से नवीन पैक्स का गठन किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर सहकारी समितियों की सदस्य संख्या में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। राज्य में जमीनी स्तर पर पर सहकारिता का नेटवर्क मजबूत होने से अधिक लोगों तक सुचारू रूप से जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी।

केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में जारी की गई नवीन 'राष्ट्रीय सहकारिता नीति' एवं 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना के अंतर्गत देश में सहकारिता का दायरा अधिक विस्तृत किये जाने पर विशेष रूप से जोर दिया गया है। राजस्थान इस मामले में देश में अग्रणी भूमिका में है। वर्तमान में राज्य में लगभग 8,700 पैक्स का विशाल नेटवर्क मौजूद है। साथ ही, राज्य की पैक्सविहीन समस्त ग्राम पंचायतों में पैक्स गठन की कार्यवाही तेज गति से जारी है। 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत अब तक पैक्सविहीन 1,520 ग्राम पंचायतों में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है। इस दौरान 1,067 पैक्स हेतु जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित की जा चुकी है जबकि पैक्स गठन हेतु 1060 प्रस्ताव विभाग को प्राप्त हो चुके हैं। राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के अंतर्गत पैक्सविहीन समस्त ग्राम पंचायतों में आगामी दो वर्ष में पैक्स गठन का प्रावधान किया गया था। लेकिन 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत पूरी क्षमता से प्रयास कर इस लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा से पूर्व ही प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पूर्व में पैक्स की भूमिका केवल किसानों को ऋण एवं खाद-बीज वितरण तक ही सीमित रहती थी लेकिन अब इन्हें बहुउद्देशीय बनाकर विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं।

सहकारी समितियों के सदस्य अब तक आम तौर पर किसान ही होते थे। लेकिन अब बहुउद्देशीय परिकल्पना के अंतर्गत इन्हें अलग-अलग वर्गों के लिए उपयोगी बनाया जा रहा है। 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत अधिक से अधिक संख्या में युवाओं एवं महिलाओं को सहकारी समितियों से जोड़ने पर फोकस किया जा रहा है। अब तक लगभग 5 लाख नये सदस्य बनाये जा चुके हैं। सहकारी समितियों में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से उन्हें स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा, जिससे उनका सशक्तीकरण होगा।

जूली ने हरियाणा के आईपीएस पूरन कुमार की अंत्येष्टि में देरी पर चिंता जताई

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने हरियाणा के आईपीएस अधिकारी पूरण कुमार के अंतिम संस्कार में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त की है। भारतीय पुलिस सेवा के इस वरिष्ठ अधिकारी ने कथित तौर पर जातिगत प्रताड़ना के चलते आत्महत्या कर ली थी। जूली ने रविवार को 'एक्स' पर लिखा,यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि पांच दिन बीत जाने के बावजूद जातिगत प्रताड़ना का शिकार होने के कारण आत्महत्या करने के लिए मजबूर हुए हरियाणा के आईपीएस अधिकारी पूरण कुमार का अंतिम संस्कार नहीं हो सका है।

उन्होंने लिखा,यह समझ से परे है कि हरियाणा सरकार एडीजी स्तर के अधिकारी की आत्महत्या के बावजूद जांच होने तक के लिए भी जिम्मेदार अधिकारियों को नहीं हटा रही है। एक दलित उच्चाधिकारी को न्याय दिलाने में विफल रहे हरियाणा के मुख्यमंत्री आखिर किस नैतिक बल के साथ एक साल पूरा होने का जश्न मनाएंगे?

सीकर में दिल दहला देने वाली घटना

महिला ने चार बच्चों के साथ की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार को एक ऐसी दर्दनाक घटना की जानकारी मिली, जिसने पूरे शहर को हिला दिया। पालवास रोड स्थित अनिरुद्ध रेजिडेंसी में एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतकों में एक महिला और उसके चार मासूम बच्चे शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फ्लैट का दरवाजा तोड़कर जब अंदर प्रवेश किया, तो चारों ओर दुर्गंध और भयावह दृश्य था। पुलिस को फ्लैट में महिला और चार बच्चों के शव मिले। पुलिस की जांच में यह सामने आया कि मृतका का नाम किरण उर्फ पिंकी चौधरी है, जिसने अपने चार बच्चों के साथ जहर खाकर आत्महत्या की। बताया जा रहा है कि महिला का अपने पति से कुछ समय से अनबन चल रही थी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यही आत्महत्या की मुख्य वजह मानी जा रही है।

पड़ोसियों की मानें तो, यह परिवार पिछले कई दिनों से घर के बाहर दिखाई नहीं दे रहा था। जब फ्लैट से दुर्गंध आने लगी, तो बिल्डिंग में रहने वाले अन्य लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर जब पुलिस पहुंची और दरवाजा खोला, तो अंदर सभी के शव मिले।

सीकर ग्रामीण सीओ सुरेश शर्मा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि हमें अनिरुद्ध रेजिडेंसी से सूचना मिली कि एक फ्लैट से बदबू आ रही है। दरवाजा लंबे समय से बंद था। जब टीम मौके पर पहुंची, तो अंदर महिला और चार बच्चों के शव मिले। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया है और जांच जारी है। फ्लैट के अंदर फैली दुर्गंध के कारण पुलिस को अंदर प्रवेश करने में भी कठिनाई हुई। टीम ने इत्र और अगरबत्ती का प्रयोग कर कमरे में प्रवेश किया।

स्वास्थ्य सेवाओं में राजस्थान रच रहा कीर्तिमान : गजेन्द्र सिंह खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में राजस्थान स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है। इसी कड़ी में राजस्थान ने पेलिएटिव केयर सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं बेस्ट प्रेक्टिसेज के लिए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि के लिए राजस्थान को शनिवार को भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। प्रदेश की ओर से राज्य नोडल अधिकारी डॉ. निर्मला शर्मा ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने इस उपलब्धि के लिए विभागीय टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि राजस्थान स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश में मॉडल स्टेट के रूप में उभर रहा है। विगत समय में बेस्ट प्रेक्टिसेज एवं नवाचारों से स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुगम हुई हैं और स्वास्थ्य मानक भी बेहतर हुए हैं। आने वाले समय में हम स्वास्थ्य सेवाओं को एक नए पायदान पर ले जाएंगे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए लगातार नवाचार कर रहा है। विभाग का प्रयास है कि नवाचारों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं दुर्गम स्थानों तक भी सुलभता से पहुंचे और स्वास्थ्य के मानक अपेक्षाकृत और बेहतर हों।

इसी दिशा में पेलिएटिव केयर में कई बेस्ट प्रेक्टिसेज को अपनाया गया है। इसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिला है। इन बेस्ट प्रेक्टिसेज के लिए ही राजस्थान को देशभर में तीसरा स्थान मिला है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने बताया कि होम बेस्ड पेलिएटिव केयर के अन्तर्गत राजस्थान में रेगिस्तानी क्षेत्र, दुर्गम व दूरस्थ क्षेत्रों में प्रभावी सेवाएं दी जा रही हैं। असाध्य रोगों से ग्रसित मरीजों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कर शारीरिक व मानसिक समस्याओं का निदान किया जा रहा है। इसके तहत उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ सामाजिक व आध्यात्मिक परिदृश्य के अनुसार माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नर्सिंग ऑफिसर, फिजियोथैरेपिस्ट, आशा, एएनएम व सीएचओ के द्वारा होम बेस्ड पेलिएटिव केयर की सर्विसेज समस्त जिलों में दी जा रही है। भविष्य में इन सेवाओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

नकली दवाओं से बच्चों की जान खतरे में, डॉक्टर की सलाह के बिना दवाइयां न लें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से नकली और घटिया दवाओं का बाजार गर्म है, जहां मेडिकल स्टोर्स पर बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाइयां बेची जा रही हैं। यह सेल्फ-मेडिकेशन की आदत बच्चों और आमजन के लिए जानलेवा साबित हो रही है। हालिया जांचों से पता चला है कि एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और कफ सिरप जैसी दवाएं गुणवत्ता में फेल हैं, लेकिन सुस्ती के चलते हजारों यूनिट्स बिक चुकीं। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं: डॉक्टर की बिना सलाह ना लें मेडिकल स्टोर से दवाईया, क्योंकि इससे एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस, एलर्जी, किडनी-लीवर डैमेज और मौत का खतरा बढ़ जाता है।

बच्चों पर सबसे ज्यादा असरभारत में सेल्फ-मेडिकेशन की दर ऊंची है, खासकर ग्रामीण इलाकों में जहां डॉक्टर दूर हैं। जोधपुर और राजस्थान के अन्य जिलों में नकली एंटीबायोटिक्स (जैसे अमॉक्सिसिलिन, सिप्रोफ्लॉक्सासिन) और पेनकिलर्स बिना प्रिस्क्रिप्शन के बिक रहे हैं, जो बच्चों के इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देते हैं। हाल ही में कफ सिरप से मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में बच्चों की मौतें हुईं, और राजस्थान में भी ऐसे केस रिपोर्ट हुए जहां घटिया दवाओं से ऐंठन, सांस की तकलीफ और मौत हुई।

बच्चों में सेल्फ-मेडिकेशन से एडवर्स इफेक्ट्स, ट्रीटमेंट फेलियर और एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस का रिस्क ज्यादा है, क्योंकि उनका शरीर दवाओं को अलग तरीके से रिएक्ट करता है। फार्मासिस्ट और परिवार की सलाह पर दवाएं लेना आम है, लेकिन यह गलत डोज या नकली दवा से स्वास्थ्य बिगाड़ सकता है। विभाग की लापरवाही और कार्रवाई की मांग राजस्थान ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट ने 65 कंपनियों की जांच शुरू की है, एक अधिकारी सस्पेंड हुआ, लेकिन जांच में देरी से दवाएं बाजार में पहुंच गईं। विशेषज्ञ कहते हैं कि जागरूकता अभियान चलाएं, ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल क्लीनिक बढ़ाएं और दवाएं खरीदते वक्त कैश मेमो लें। यदि कोई साइड इफेक्ट हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और स्वास्थ्य विभाग को रिपोर्ट करें।यह चेतावनी है: डॉक्टर की सलाह के बिना दवाइयां न लें, खासकर बच्चों के लिए।

फैशन शो

जयपुर में 'शादियां' फैशन शो के छठे संस्करण के दौरान 2026 ब्राइडल वियर लाइटवेट ज्वेलरी कलेक्शन को प्रदर्शित करते हुए मॉडल रैंप पर चलती हुई।

सतीश पूनिया की पुस्तक 'अग्निपथ नहीं जनपथ' का लोकार्पण

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया की विधायक कार्यकाल पर आधारित पुस्तक अग्निपथ नहीं जनपथ (संवाद से संघर्ष तक) का लोकार्पण और कृति चर्चा को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित कई नेता और अन्य लोग उपस्थित रहे। यह आयोजन राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर एवं वेरा प्रकाशन, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। सभी वक्ताओं ने लोकतंत्र में कम होते सत्ता और विपक्ष के संवाद और सौहार्द पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन जनहित में सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए।

राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि अग्निपथ पर चलकर जो कुंदन की तरह तपता है, वहीं जनपथ तक पहुंचता है। प्रधानमंत्री मोदी भी अग्निपथ पर चलकर शीर्ष तक पहुंचे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता प्रतिपक्ष के रूप में गुलाबचंद कटारिया सुबह 9 बजे से विधानसभा में बैठ जाते थे। ऐसी गंभीरता मैंने केवल भैरोसिंह शेखावत और कटारिया में देखी है। पूनिया मुद्दों को पकड़ना और उन्हें राष्ट्रीय विमर्श बनाना जानते हैं। व्यंग्य भरे अंदाज़ में राठौड़ बोले कि सांप-सीढ़ी के खेल में मुझे और पूनिया को 99 पर सांप ने डंसा। अब मैंने आलेख लिखना शुरू किया है, पूनिया और कटारिया उसके विमोचन पर जरूर आएं।

डोटासरा-जूली ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना : आरटीआई को कमजोर करने के लगाए आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राइट टू इनफार्मेशन कानून पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर आरटीआई कानून को कमजोर करने का आरोप लगाया। डोटासरा और जूली ने पीसीसी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राइट टू इनफार्मेशन कानून जिस उद्देश्य के साथ लाया गया था, वो उद्देश्य अब पूरा नहीं हो रहा है। यह चिंता का विषय है, क्योंकि 2014 में जब से एनडीए सरकार सत्ता में आई है, तब से ही आरटीआई कानून पर हमले हो रहे हैं और उसको कमजोर करने की दिशा में काम चल रहा है।

डोटासरा ने कहा कि 2019 में इस कानून में संशोधन किया गया और उसके बाद 2023 में डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटक्शन अधिनियम बनाकर निजी जानकारी देने से इनकार कर दिया। इस संशोधन की आड़ में गोपनीय जानकारी को नहीं दिया जा रहा है,जो भ्रष्टाचार को रोकने या आम व्यक्ति के लिए जरूरी है। जनहित में कोई भी जानकारी उजागर होनी चाहिए, लेकिन इस सरकार ने संशोधन कर के उसे कमजोर कर दिया है। आरटीआई के जरिए विधायक-सांसद कोष की राशि, मनरेगा और कई अन्य योजनाओं की जानकारी आम आदमी को भी मिल जाती थी, लेकिन इस सरकार ने उसे कमजोर किया है। केंद्रीय सूचना आयोग को भी कमजोर किया जा रहा है। डोटासरा ने व्हीसल ब्लोअर प्रोटेक्शन एक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी कोई पालना नहीं हुई है। आरटीआई करने वाले कार्यकर्ता को जेल में डाल दिया जाता है, ईडी, इनकम टैक्स सीबीआई के छापे मारकर उन्हें डराया आता है। उन्होंने मांग की है कि 2019 का संशोधन वापस होना चाहिए। वहीं अंता उपचुनाव में अभी तक भी भाजपा प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं होने को लेकर डोटासरा ने कहा कि भाजपा के पास प्रत्याशी नहीं है। भाजपा के पास कोई मजबूत चेहरा नहीं है, मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष उनसे मिलने जाते हैं, लेकिन वे नाम नहीं बताती हैं। उपचुनाव में हमारी पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ेगी और चुनाव में जीत दर्ज करेंगे।

जूली ने आरटीआई क़ानून को लोकतंत्र की रीढ़ बताते हुए कहा कि हमारी सरकार ने आरटीआई कानून पारदर्शिता के लिए लेकर आई थी, ताकि सरकारी योजना का पैसा कहां खर्च हो रहा है। इसका हिसाब जनता को मिले, राजस्थान में सबसे पहले आरटीआई की शुरुआत हुई फिर यूपीए सरकार ने इस देशव्यापी बनाया, पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के प्रयासों से यह कानून अस्तित्व में आया। भाजपा सरकार आरटीआई को कमजोर करने की साजिश कर रही है। उन्होंने हालिया विधानसभा में हिडन कैमरों की जानकारी आरटीआई से मिलने का उदाहरण दिया।

समाज के बौद्धिक और सांस्कृतिक उत्थान में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका : संजय शर्मा

जयपुर/दक्षिण भारत। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने रविवार को अलवर जिला ब्राह्मण महासभा द्वारा ब्राह्मण छात्रावास में आयोजित भामाशाह एवं विप्र गौरव सम्मान समारोह 2025 में शिरकत कर भामाशाह एवं समाज के उत्थान के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले करीब 101 लोगों को सम्मानित किया। शर्मा ने समाज सेवा, शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्रा में समाज की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि समाज के बौद्धिक और सांस्कृतिक उत्थान में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए भामाशाहों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए भामाशाहों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि बालकों की शिक्षा के साथ ही बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को ऐसे आयोजनों से प्रेरणा लेकर सामाजिक उत्तरदायित्व में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।वन राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में प्रदेश में प्रारम्भ किए गए हरियालो राजस्थान अभियान के तहत विगत वर्ष साढे सात करोड़ पौधे लगाकर फोटो सहित माई भारत पोर्टल पर अपलोड किए गए तथा इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने के लक्ष्य को अर्जित किए।

चिदंबरम ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के बारे में कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के बारे में पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इतिहास में यह सच्चाई दर्ज होनी चाहिए कि यह (ऑपरेशन) राष्ट्र की आवश्यकता की वजह से नहीं बल्कि इंदिरा गांधी के ''राजनीतिक दुस्साहस'' के कारण चलाया गया था।

भाजपा ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस अब ''सच बोलने और झूठे विमर्श को उजागर करने के लिए चिदंबरम के खिलाफ कार्रवाई करेगी? दरअसल चिदंबरम ने हिमाचल प्रदेश के कसौली में एक साहित्यिक कार्यक्रम में कहा था कि जून 1984 में स्वर्ण मंदिर में छिपे आतंकवादियों को पकड़ने के लिए चलाया गया 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' सही तरीका नहीं था और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा, सभी आतंकवादियों को पकड़ने का कोई और तरीका हो सकता था, लेकिन 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' गलत तरीका था और मैं इस बात से सहमत हूं कि श्रीमती गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। यह सेना, खुफिया विभाग, पुलिस और नागरिक सुरक्षा एजेंसियों का संयुक्त निर्णय था तथा आप पूरी तरह से श्रीमती गांधी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' दमदमी टकसाल के नेता जरनैल सिंह भिंडरावाले और आतंकवादियों को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से खदेड़ने के लिए चलाया गया सैन्य अभियान था। बाद में 31 अक्टूबर, 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या कर दी गई थी। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने पूर्व गृह मंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, चिदंबरम जी ने कांग्रेस की गलतियों को बहुत देर से स्वीकार किया है! मंत्री ने कहा, पहले उन्होंने (चिदंबरम) खुलासा किया था कि अमेरिका और विदेशी ताकतों के भारी दबाव के कारण भारत मुंबई में हुए पाकिस्तानी आतंकवादी हमलों का जवाब नहीं दे सका, अब वह स्वीकार कर रहे हैं कि स्वर्ण मंदिर में 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' भी एक गलती थी। चिदंबरम की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आर पी सिंह ने कांग्रेस की आलोचना की।

अविरल-निर्मल गोमती के लिए योगी ने की 'गोमती पुनर्जीवन मिशन' की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'स्वच्छ, अविरल और निर्मल गोमती' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए 'गोमती नदी पुनर्जीवन मिशन' की घोषणा की है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीलीभीत से गाजीपुर तक प्रवाहित गोमती केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक विरासत और जीवनधारा की प्रतीक है। बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोमती का पुनर्जीवन केवल जल शुद्धिकरण का नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और पर्यावरण के पुनर्संवर्धन का व्यापक अभियान है। यह मिशन पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और भावी पीढ़ियों के प्रति हमारी साझा प्रतिज्ञा का प्रतीक बनेगा।

टेरिटोरियल आर्मी की पहल पर आयोजित एक बैठक में मेजर जनरल सलिल सेठ, ब्रिगेडियर नवतेज सिंह सोहल, ब्रिगेडियर सी. माधवाल, कर्नल अरविन्द एस. प्रसाद, ले. कर्नल सचिन राणा, ले.कर्नल सौरभ मेहरोत्रा, मेजर के.एस. नेगी, प्रो. (डॉ.) वेंकटेश दत्ता, ले. कर्नल हेम लोहुमी, एस.एम. (सेवानिवृत्त) के साथ-साथ शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही।

बैठक में मुख्यमंत्री ने मिशन की विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक परियोजना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की सहभागिता से चलने वाली एक जन-आंदोलनात्मक पहल होगी। उन्होंने कहा कि गोमती में एक भी बूंद सीवरेज न गिरे, इसके लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीति तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि नदी किनारे बसी अवैध बस्तियों में घुसपैठियों की पहचान कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए, ताकि गोमती के तटों पर स्वच्छता और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने कहा कि मिशन का दायरा पीलीभीत से गाजीपुर तक गोमती नदी के संपूर्ण प्रवाह क्षेत्र को कवर करेगा, जिससे गोमती अपने पूरे विस्तार में स्वच्छ, अविरल और निर्मल रूप पुनः प्राप्त कर सके।

झारखंड में माओवादियों ने मोबाइल टावर में आग लगाई

चाईबासा (झारखंड)/भाषा। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) की ओर से आयोजित किए जा रहे 'प्रतिरोध सप्ताह' के बीच, माओवादियों ने रविवार तड़के झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक निजी दूरसंचार कंपनी के मोबाइल टावर को आग लगा दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस उपाधीक्षक (मनोहरपुर) जयदीप लाकड़ा ने बताया कि माओवादियों का एक समूह मध्य रात्रि के बाद मनोहरपुर ब्लॉक के मीना बाजार इलाके में आया और मोबाइल टावर में आग लगाने से पहले दूरसंचार कंपनी के कर्मचारियों को भगा दिया।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद सशस्त्र पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान मौके पर पहुंचे और बड़े पैमाने पर माओवादी विरोधी अभियान शुरू किया।

बीएसएफ ने तस्कर को पकड़ा, 2.82 करोड़ रुपए के सोने के बिस्कुट बरामद

कोलकाता/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक तस्कर को पकड़ा और उसके कब्जे से 20 किलोग्राम सोने के बिस्कुट जब्त किए। अर्धसैनिक बल द्वारा जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि होरंदीपुर सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ की 32वीं बटालियन को विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली कि सीमा के पास मुस्लिमपारा गांव का एक भारतीय नागरिक बांग्लादेश से लाए गए अवैध सोने की तस्करी होरंदीपुर इलाके से करने योजना बना रहा है। सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात जवानों को सतर्क कर दिया गया। इसमें बताया गया कि शनिवार सुबह करीब छह बजे बीएसएफ जवानों ने बांस के घने जंगल के पीछे एक व्यक्ति को घूमते देखा।

मुख्यमंत्री योगी एक घुसपैठिये हैं, उत्तराखंड वापस भेजा जाना चाहिए : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तुलना घुसपैठिए से करते हुए कहा कि वह उत्तराखंड से हैं और उन्हें राज्य वापस भेज दिया जाना चाहिए।

यादव ने समाजवाद के प्रणेता राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को लखनऊ के लोहिया पार्क में संवाददाताओं से कहा कि भाजपा के पास झूठे आंकड़े हैं। उन्होंने कहा, अगर उनके आंकड़ों पर भरोसा किया जाए, तो आदमी भटक जाएगा। यादव ने दावा किया, जो लोग पलायन के आंकड़े दे रहे हैं... हमारे उत्तर प्रदेश में भी घुसपैठिए हैं। मुख्यमंत्री उत्तराखंड से हैं। हम चाहते हैं कि उन्हें उत्तराखंड भेजा जाए। वह अकेले घुसपैठिए नहीं हैं, बल्कि विचारधारा के लिहाज से भी घुसपैठिए हैं। वह (आदित्यनाथ) भाजपा के सदस्य नहीं थे, बल्कि किसी और पार्टी के सदस्य थे। तो, इन घुसपैठियों को कब हटाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में यह दावा किया था कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को वोट बैंक की तरह मानते हैं।

'इंडि' गठबंधन में सीट बंटवारे पर अनिश्चितता बरकरार, दिल्ली रवाना हुए लालू और तेजस्वी

पटना/भाषा। बिहार में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडि) गठबंधन के दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर अनिश्चितता कुछ और समय जारी रहने की संभावना है तथा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद अपने पुत्र तेजस्वी यादव के साथ रविवार को दिल्ली रवाना हो गए। पार्टी ने हाल में प्रसाद को सीट वितरण और उम्मीदवार चयन पर अंतिम निर्णय लेने का ''अधिकार'' दिया था। बिहार में ''महागठबंधन'' के रूप में जाने जाने वाले गठबंधन में राजद का दबदबा है। इस ''महागठबंधन'' में कांग्रेस और वाम दल भी शामिल हैं। बाद में यही गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' नाम से जाना जाने लगा। रविवार सुबह जब पिता-पुत्र और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी अपने आवास से रवाना हुए तो वहां मौजूद पार्टी के टिकट दावेदारों में निराशा फैल गई जिन्हें उम्मीद थी कि नेता उनकी बात सुनेंगे। सुरक्षाकर्मियों को 10, सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी देवी के आवास से उन्हें हटाने में खासी मशक्कत करनी पड़ी।

झारखंड: रांची में सामूहिक दुष्कर्म के मामले में चार लोग गिरफ्तार

रांची/भाषा। झारखंड के रांची जिले में एक युवती से कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। रांची जिले के तमाड़ इलाके में 30 सितंबर को 19 वर्षीय युवती से सात लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया था। पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने सात अक्टूबर को तमाड़ थाने में शिकायत दर्ज कराई और आठ अक्टूबर को उसकी मेडिकल जांच करायी गई। बुंडू के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) ओम प्रकाश ने बताया, सामूहिक दुष्कर्म के मामले में 10 आरोपियों की पहचान कर ली गई है। शनिवार को पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और दो नाबालिगों को भी हिरासत में ले लिया। सभी तमाड़ के रहने वाले हैं। पुलिस बाकी चार आरोपियों को पकड़ने के लिए कई जगहों पर छापेमारी कर रही है। युवती ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके चचेरे भाई ने जानबूझकर उसे फंसाया, जिसके कारण यह घटना घटी।

असम सरकार ने युवाओं के लिए विदेशी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया

गुवाहाटी/भाषा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को असम सरकार की एक पहल की शुरुआत की, जिसके तहत राज्य के युवाओं को विदेशी भाषा कौशल में प्रशिक्षित किया जाएगा। इस पहल के तहत, पहले समूह को जापानी भाषा सीखने का अवसर मिलेगा।

शर्मा ने कहा कि 'वैश्विक मानव प्रतिभा के लिए मुख्यमंत्री विदेशी भाषा पहल' राज्य के युवाओं को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रोजगार के अवसर खोजने में सक्षम बनाएगी। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह योजना असम के युवाओं को विदेशी भाषा कौशल से सशक्त बनाएगी और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए वैश्विक कार्य अवसरों के द्वार खोलेगी। उन्होंने कहा कि पहले चरण में, 180 युवाओं को सांस्कृतिक प्रशिक्षण, नौकरी में सहायता और वित्तीय सहायता के साथ-साथ जापानी भाषा का प्रशिक्षण भी मिलेगा। शर्मा ने कहा कि यह पहल ''विभिन्न क्षेत्रों में भारत-जापान के बीच मजबूत सहयोग को और गहरा करेगी तथा असम और जापान के लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देगी। उन्होंने यह भी कहा कि पाठ्यक्रम की लागत में काफी कमी की गई है, तथा असम सरकार और जापान सरकार ने खर्च का बड़ा हिस्सा वहन किया है।

छात्रावास में रहने वाली छात्राओं को नियमों का पालन करना चाहिए : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि छात्रावास में रहने वाली छात्राओं, खासतौर पर राज्य के बाहर की छात्राओं को छात्रावास के नियमों का पालन करना चाहिए और देर रात बाहर नहीं निकलना चाहिए।

ममता ने यह बयान दुर्गापुर स्थित एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ शुक्रवार रात सामूहिक बलात्कार की कथित घटना के बाद दिया। छात्रा ओडिशा की रहने वाली है और कथित घटना तब हुई, जब वह अपने एक मित्र के साथ रात्रि भोज के लिए बाहर गई थी। ममता ने कहा, छात्रावास में रहने वाले छात्रों, खासतौर पर जो बाहर से पश्चिम बंगाल में पढ़ाई करने आए हैं, उनसे छात्रावास के नियमों का पालन करने की अपेक्षा की जाती है। हालांकि, उन्हें जहां चाहे वहां जाने का मौलिक अधिकार है, लेकिन उन्हें देर रात बाहर निकलने से बचना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, पुलिस हर व्यक्ति की आवाजाही पर नजर नहीं रख सकती। अधिकारियों को नहीं पता होता कि रात में कौन घर से निकल रहा है और वे हर घर के बाहर पहरा नहीं दे सकते।

ममता ने राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा के लिए प्राकृतिक आपदा प्रभावित उत्तर बंगाल रवाना होने से पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से यह बात कही। उन्होंने इस घटना को ''स्तब्ध करने वाली'' करार दिया और कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

पर्यटन क्षेत्र के सालाना 25% से अधिक की दर से बढ़ने का अनुमान : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि पर्यटन क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 20 लाख करोड़ रुपए का योगदान देता है और इसके सालाना 25 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने शनिवार को मध्य प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित 'एमपी ट्रैवल मार्ट' को संबोधित करते हुए कहा कि इस बदलाव के मूल में यह विश्वास निहित है कि पर्यटन एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है, न कि एक सहायक उद्योग।

शेखावत ने कहा, पर्यटन अब हमारे राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 20 लाख करोड़ रुपए से अधिक का योगदान देता है। यह 8.4 करोड़ से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। उन्होंने कहा, भारत में पिछले साल 2.20 करोड़ पर्यटक आए और घरेलू यात्रियों ने 2.94 अरब यात्राएं कीं। भारत में पर्यटन क्षेत्र के सालाना 25 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने का अनुमान है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि ये आंकड़े एक सशक्तीकरण की कहानी बयां करते हैं। उन्होंने कहा, कारीगरों को नए बाजार मिल रहे हैं, परिवार होम-स्टे चला रहे हैं, महिला उद्यमी इको-रिट्रीट बना रही हैं, स्थानीय युवा आत्मविश्वासी गाइड और मेजबान बन रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस बदलाव के मूल में यह विश्वास है कि पर्यटन एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है, न कि कोई सहायक उद्योग, और राजमार्गों, हवाई अड्डों, अंतर्देशीय जलमार्गों और डिजिटल बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व निवेश ने देश भर में यात्रा को सुगम बनाया है।

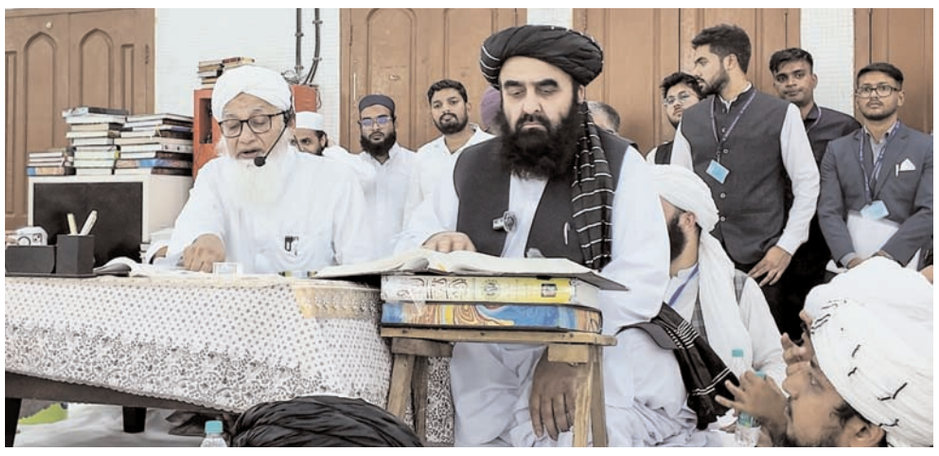

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री का आगरा दौरा रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा (उप्र)/भाषा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर मुत्तकी का रविवार को होने वाला आगरा दौरा रद्द हो गया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री रविवार को ताजमहल का दीदार करने के लिए आने वाले थे लेकिन किन्हीं कारणों से उनकी ये यात्रा रद्द हो गई है। उन्होंने बताया कि तय कार्यक्रम के मुताबिक मुत्तकी को रविवार को अपराह्न 11 बजे ताजमहल पहुंचना था और एक घंटे ताजमहल का दीदार करने के बाद उन्हें आगरा में ही दोपहर का भोजन करने के बाद वापस दिल्ली रवाना होना था। मुत्तकी का आगरा में ताजमहल का दौरा क्यों रद्द हुआ, इसकी वजह पता नहीं चला पायी है। जिला प्रशासन के प्रोटोकॉल विभाग ने मुत्तकी के आगरा कार्यक्रम के रद्द होने की पुष्टि की है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्तकी शनिवार को सहारनपुर के देवबंद स्थित मदरसा दारुल उलूम पहुंचे थे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया था।

मुत्तकी बृहस्पतिवार को छह दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी के सत्ता से हटने और तालिबान के सत्ता अपने हाथ में लेने के चार साल बाद तालिबान सरकार के किसी नेता की भारत की यह पहली उच्च-स्तरीय यात्रा है। भारत ने अब तक तालिबान को मान्यता नहीं दी है। मुत्तकी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली से सड़क मार्ग से देवबंद पहुंचे, जो दक्षिण एशिया के सबसे प्रभावशाली इस्लामी मदरसों में से एक है। दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम (कुलपति) अबुल कासिम नोमानी, जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और दारुल उलूम के पदाधिकारियों ने दारुल उलूम देवबंद में अफगान विदेश मंत्री का स्वागत किया।

मुत्तकी के आगमन से पहले खुफिया एजेंसियों, सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस ने देवबंद में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अफगान विदेश मंत्री की भारत यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और अफगानिस्तान दोनों के पाकिस्तान के साथ सीमा पार आतंकवाद सहित कई मुद्दों को लेकर तनावपूर्ण संबंध हैं।

प. बंगाल नगर पालिका भर्ती घोटाला: ईडी ने 45 लाख रुपए की नकदी एवं दस्तावेज जब्त किए

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में दक्षिण दमदम नगर पालिका में भर्ती में कथित अनियमितताओं के संबंध में की गई छापेमारी के दौरान 45 लाख रुपए अघोषित नकद राशि, आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। एजेंसी ने एक बयान में यह जानकारी दी।

एजेंसी के कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने घोटाले की जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के अग्निशमन मंत्री सुजीत बोस के आवास और कंपनियों सहित कोलकाता और उसके आसपास 13 स्थानों पर शुक्रवार को छापे मारे थे।

भाजपा से सीटें नहीं मिलीं तो अकेले लड़ेंगे बिहार विधानसभा चुनाव : सुभासपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में शामिल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने रविवार को कहा कि यदि भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सीट नहीं दीं तो वह अकेले चुनाव लड़ेगी।

पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव अरविंद राजभर ने बताया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की तरफ से सुभासपा को पांच सीटों पर चुनाव लड़ने की पेशकश की गई है।

राजभर ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी बिहार में विधानसभा चुनाव निश्चित रूप से लड़ेगी। भाजपा से बात नहीं बनी तो अकेले चुनाव मैदान में उतरेंगे।

राजभर ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने रविवार को उन्हें फोन करके उनसे दल के बिहार में प्रभाव को लेकर जानकारी प्राप्त की। उन्होंने नड्डा को जानकारी दी है कि दल का बिहार के 32 जिलों में प्रभाव है, इसलिए एक वर्ष में पार्टी ने 65 विधानसभा क्षेत्रों में रैलियां की हैं।

राजभर ने बताया कि सुभासपा ने बिहार में चुनाव लड़ने के लिए भाजपा नेतृत्व को 29 सीट की सूची सौंपी है, सूची में से भाजपा जो सीट उन्हें देना चाहती है दे दे, इसमें से वह किसी भी सीट पर चुनाव लड़ने को तैयार हैं।

उनकी मांग है कि उनके दल को पांच सीट दी जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर भाजपा गठबन्धन के तहत उनके दल को सीट नहीं देती है तो पार्टी अकेले बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

राजभर ने बताया कि राजद की बिहार इकाई के प्रमुख ने शनिवार को सुभासपा के बिहार चुनाव प्रभारी से मुलाकात की और उनसे बात की। रविवार को उन्हें राजद नेतृत्व से भी फोन आया, जिसमें विधानसभा चुनाव में पांच सीटों पर साथ मिलकर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया गया।

मंधाना ने एक साल में 1,000 रन बनाकर इतिहास रचा, वनडे में 5,000 का आंकड़ा पार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला विश्व कप ग्रुप मैच के दौरान महिला वनडे में एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 रन बनाने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं।

उनतीस साल की इस सलामी बल्लेबाज ने महिला वनडे में 5,000 रन भी पूरे किए और मिताली राज के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली केवल पांचवीं और दूसरी भारतीय बल्लेबाज बन गईं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं और उन्होंने सबसे कम पारियों में 1,000 रन बनाए। मंधाना ने 112 पारियों और 5,569 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की जिससे उन्होंने स्टेफनी टेलर की 129 पारियों और सूजी बेट्स की 6,182 गेंदों की संख्या को पीछे छोड़ दिया। मंधाना ने हालांकि टूर्नामेंट में धीमी शुरुआत की लेकिन इस बाएं हाथ की बल्लेबाज ने शानदार वापसी करते हुए 66 गेंद में 80 रन (नौ चौके और तीन छक्के) बनाकर फॉर्म में वापसी की और प्रतिका रावल के साथ 155 रन की साझेदारी की जो इस प्रतियोगिता में सलामी बल्लेबाजों के बीच पहली शतकीय साझेदारी भी थी। इस मैच से पहले मंधाना के 17 मैच में 982 रन थे। उन्होंने आठवें ओवर में 1,000 रन का आंकड़ा छुआ जिसमें उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनू की धज्जियां उड़ाते हुए इस ओवर में चौका, छक्का और चौका जड़ा जिससे 16 रन बने। मंधाना ने इस तरह महिला वनडे में ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क (1997 में 970 रन) का एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने अपनी पारी की शुरुआत सकारात्मक तरीके से की और किम गार्थ के पहले ओवर की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर खाता खोला। लेकिन मोलिनू के ओवर में मंधाना ने पहली गेंद को मिड-ऑन के ऊपर से चौका जड़ा, अगली गेंद को डिफेंड किया, फिर तीसरी गेंद पर लांग-ऑन के ऊपर से छक्का जड़ा और फिर स्क्वायर लेग के ऊपर से एक और चौका लगाकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया।

सुविचार

जहाँ चिकित्सा की कला को प्यार किया जाता है, वहाँ मानवता के लिए भी प्यार होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेश में 'झूठ की दुकान'

अगर झूठ पर लीपापोती कर उसे सच की शक्ल में पेश करने के बदले कोई पुरस्कार मिलता तो बांग्लादेश के 'मुख्य सलाहकार' मोहम्मद यूनुस उसके दूसरे सबसे बड़े हकदार होते। पहला नंबर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का होता। उन्होंने नोबेल पुरस्कार पाने की लालसा में भारत-पाक संघर्ष रुकवाने के झूठे दावे किए थे। वे एक ही झूठ को बार-बार दोहराते रहे, ताकि वह सच लगने लगे और लोग भ्रमित हो जाएं। अब यूनुस ने मोर्चा संभाल लिया है। वे यह कहकर ट्रंप को पछाड़ना चाहते हैं कि 'बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कोई हिंसा नहीं हुई और भारत फर्जी खबरें फैला रहा है!' यहां बड़ा फर्क यह है कि डोनाल्ड ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार के लिए बहुत पांव पटके थे, वे नाकाम रहे, जबकि मोहम्मद यूनुस को साल 2006 में ही यह पुरस्कार मिल गया था। उनके 'मुख्य सलाहकार' बनने के बाद किए गए कारनामे देखकर नोबेल पुरस्कार समिति के सदस्यों ने भी अपने माथे पीट लिए होंगे। यूनुस ने अपनी पूरी ऊर्जा राजनीतिक प्रतिशोध लेने और भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने में ही खर्च कर दी। उनके राज में अल्पसंख्यकों की जो हालत हुई, वह किसी से छिपी हुई नहीं है। यूनुस पूरी तरह कागजी शेर साबित हुए हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर पहले भी अत्याचार होते थे। खासकर दुर्गापूजा के दौरान कट्टरपंथी ऐसा कांड जरूर करते थे, जिससे वे अपने ही देशवासियों को सता सकें। यूनुस से आशा थी कि वे कट्टरपंथियों और उपद्रवियों को नकेल डालेंगे, लेकिन वे भारत पर ही तोहमत लगा रहे हैं।

बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों के घरों, प्रतिष्ठानों और पूजन स्थलों पर जो हमले हुए थे, उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर मिल जाएंगे। यूनुस उन्हें देख सकते हैं। एक नवंबर, 2024 को चटग्राम में लगभग 30,000 हिंदुओं ने रैली क्यों निकाली थी? क्या इतने सारे लोग एकसाथ सैर-सपाटा करने निकले थे? यूनुस को मालूम होना चाहिए कि वे लोग अपने लिए सुरक्षा चाहते थे, जो सरकार नहीं दे पाई। दुर्भाग्य की बात है कि जिस समाज ने बांग्लादेश की आज़ादी के लिए इतने बलिदान दिए, उसे अपने ही देश में सुरक्षा की मांग करनी पड़ रही है! यह नौबत क्यों आई? यूनुस अपनी कमजोरियों और कोताहियों का ठीकरा किसी और के सिर पर क्यों फोड़ना चाहते हैं? उन्होंने यह कहकर कि 'अभी भारत की एक खासियत है झूठी खबरें फैलाना ... झूठी खबरों की बारिश हो रही है', अपनी नाकामी का एक और सबूत पेश किया है। अगर भारत झूठी खबरें फैला रहा है तो आप सच्ची खबरें क्यों नहीं फैलाते? बेशक बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था रसातल में जा रही है, लेकिन अभी इतने बुरे हालात नहीं हैं कि वह 'सच्ची खबरें' न दिखा सके। जिन लोगों ने चटग्राम में रैली निकाली थी, उनमें से ही दर्जनभर लोगों को कैमरे के सामने लाकर बता दें कि बांग्लादेश में सद्भाव की लहर चल रही है, अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न की ख़बरें कोरी अफवाह हैं! क्या यूनुस ऐसा कर पाएंगे? नहीं, क्योंकि उसके बाद उनके झूठ की पूरी तरह पोल खुल जाएगी। लोग उन वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा करना शुरू कर देंगे, जो उन्होंने उस समय रिकॉर्ड किए थे। यूनुस की यह टिप्पणी भी हास्यास्पद है कि 'सरकार इस मामले में बहुत सावधान है, क्योंकि यह एक ऐसी चीज है जिसे भारत हमेशा आगे बढ़ाता है कि हम दबाव बना रहे हैं।' भारत में तो लोगों को सरकारों से शिकायत रही है कि वे बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के हक में आवाज उठाने से परहेज करती हैं। सरकारों की नरमी का नतीजा है कि बांग्लादेश और मालदीव भी भारत को आंखें दिखाते रहते हैं। बांग्लादेश में 'झूठ की दुकान' कुछ ज्यादा ही चल निकली है। अब भारत सरकार को ज्यादा गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। इस पड़ोसी देश में शांति और स्थिरता होना भारत के लिए बहुत जरूरी है।

ट्वीटर टॉक

भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का अवलोकन किया। यहाँ मानव जीवन और संस्कृति विकास को दिलचस्प तरीके से दर्शाया गया है। खासकर भित्ति चित्रों के संग्रह ध्यान खींचते हैं। मैंने यहाँ व्यवस्था सम्भालने वाले अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

सामाजिक न्याय के अग्रदूत एवं 'सप्त क्रांति' के प्रणेता डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटिशः नमन! राष्ट्र निर्माण और समानता पर आधारित समाज की स्थापना के लिए डॉ. लोहिया का अमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

-भजनलाल शर्मा

टोंक-सवाई माधोपुर सांसद श्री हरीश मीणा जी के सुपुत्र श्री हनुमंत मीणा जी के निधन के उपरांत आज जयपुर स्थित उनके निवास पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अपूरणीय क्षति पर शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहन संवेदना व्यक्त की।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सादगी की शक्ति

एक बार लोकनायक जयप्रकाश नारायण जेल में पानी पीने के लिए लंबी कतार में काफी देर तक खड़े रहे। बुजुर्ग होने के बावजूद वे खामोश और शांत थे। उस समय उनका नाम पूरे देश में जाना जाता था। उनके ठीक बगल में तस्कर हाजी मस्तान भी खड़ा था, जो लगातार नखरे कर रहा था और जेल में भी रौब दिखा रहा था। यह घटना 1975 की है, जब देश में आपातकाल लागू थी। मस्तान को भी जेल जाना पड़ा, लेकिन जेल में भी उसका वीआईपी रुतबा बना रहा। वह अधिकारियों को फटकारता, आदेश देता और खास सुविधा पाने की कोशिश करता। लेकिन जब उसने जयप्रकाश नारायण को साधारण कैदी की तरह कतार में खड़े देखा बिना किसी शिकायत या विशेष सुविधा के तो वह भीतर से हिल गया। करीब 18 महीने बाद जब मस्तान जेल से बाहर आया, तो उसने अपराध की दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। उस समय देश के प्रमुख अख़बारों ने इस घटना को सचित्र प्रकाशित किया था। उन तस्वीरों में देखा जा सकता था कि कैसे जयप्रकाश नारायण के सामने हाजी मस्तानसुकरनारायण बखिया जैसे कुख्यात तस्कर ईमानदारी और सादगीपूर्ण जीवन जीने की सौगंध ले रहे थे।

सामयिक

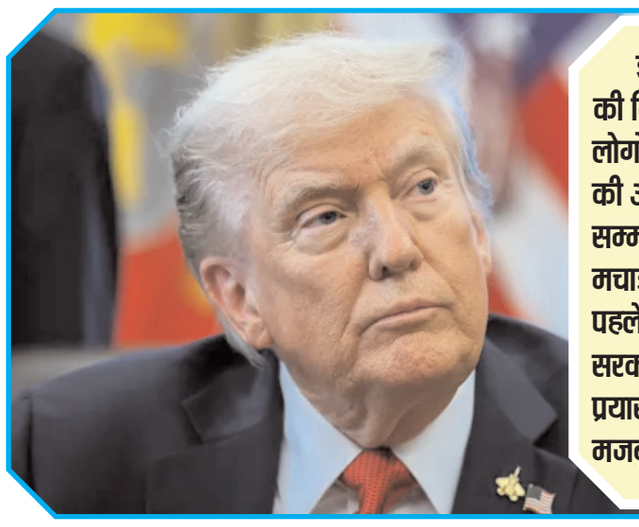

इस बार का नोबेल शांति पुरुस्कार नॉर्वेनियन नोबेल कमेटी ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को देना तय किया। यह वेनेजुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही को लोकतंत्र की ओर शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण बदलाव के लिए किए गए अथक संघर्ष का सम्मान है। नोबेल समिति के अध्यक्ष यॉर्गन वाटने फ्रिडनेस ने मारिया कोरिना मचाडो को एक ऐसी प्रमुख और एकजुट करने वाली शख्सियत बताया जिन्होंने पहले गहरे विभाजित विपक्ष को एकजुट किया फिर स्वतंत्र चुनावों और प्रतिनिधि सरकार की मांग में समान आधार स्थापित करने का कठिन काम किया। अपने प्रयासों की कामियाबी के लिए मारिया कोरिना मचाडो को छिपकर रहने पर भी मजबूर होना पड़ा।

डोनाल्ड ट्रम्प : एक सुन्दर सपना टूट गया

ऋतुपर्ण दवे

मोबाइल : 9302640933

डबोले डोनाल्ड ट्रम्प को नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। अपने मुंह मिया मिट्ठु बनने वाले ट्रम्प को भी नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। अपने लिए नोबेल पुरुस्कार मांगने वाले और इसके लिए दावे दावे करने वाले वाले ट्रम्प को भी नोबेल पुरुस्कार नहीं मिला। शांति के नोबेल पुरुस्कार के लिए चंद देशों से खुद को नामित कराने वाले अड़ीबाज ट्रम्प के मुकाबले बेहद कम चर्चित और दुनिया में अलग पहचान रखने वाली एक महिला को मिलना शायद ट्रम्प को उनकी असलियत या औकात बताने को काफी है। दरअसल ट्रम्प की दावेदारी और पुरुस्कार न मिलने पर बजाए खुलकर बोलने के लोग, उनके घमण्ड, धौंस, धमक और दादागीरी को वजह बताते हैं जो नोबेल शांति के रूप में नहीं मिला। वैसे भी हर पुरुस्कार के लिए नियम होते हैं, लंबी फेहरिस्त होती है और कारण होते हैं। ट्रम्प कहीं से भी इसमें फिट नहीं बैठते थे। लेकिन उन्हें अमरीका का राष्ट्रपति होने का गुमान था इसीलिए वो यह जानते हुए भी कि पुरुस्कार के लिए नामित होने और औपचारिकताओं के पूरा करने की प्रक्रिया को भी शायद अपनी धौंस से धता बताने की जुगाड़ में थे, जो हो न सका। यह भी सच है कि शायद यह पहला मौका होगा जब पुरुस्कार मिलने वाले के नाम की चर्चा के बजाए न मिलने वाले का नाम और उसका रंज सुर्खियों में है।

अब ट्रंप भले ही लगातार अपना दावा जता रहे हों और कहते फिर रहे हों कि कि अमेरिका में जिन भी लोगों को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया, वो ज्यादातर विवादित ही रहे। ट्रम्प भला क्या कम विवादित हैं? अमेरिका के राष्ट्रपति बनाम वहां के बड़े बिजनेसमैन डोनाल्ड ट्रंप इस बार सत्ता में आने के साथ ही खुद को शांति का स्वयंभू मसीहा बताते नहीं अघाते हैं। वो भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास जंग समेत आठ युद्धविराम या समझौते कराने का दावा करते हैं। जबकि दुनिया हकीकत जानती है कि इन सभी जगहों पर अभी कितनी शांति है?

इस बार का नोबेल शांति पुरुस्कार नॉर्वेनियन नोबेल कमेटी ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को देना तय किया। यह वेनेजुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही को लोकतंत्र की ओर शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण बदलाव के लिए किए गए अथक संघर्ष का सम्मान है। नोबेल समिति के अध्यक्ष यॉर्गन वाटने फ्रिडनेस ने मारिया कोरिना मचाडो को एक ऐसी प्रमुख और एकजुट करने वाली शख्सियत बताया जिन्होंने पहले गहरे विभाजित विपक्ष को एकजुट किया फिर स्वतंत्र चुनावों और प्रतिनिधि सरकार की मांग में समान आधार स्थापित करने का कठिन काम किया। अपने प्रयासों की कामियाबी के लिए मारिया कोरिना मचाडो को छिपकर रहने पर भी मजबूर होना पड़ा। लेकिन जान को गंभीर खतरों के बावजूद उन्होंने अपना देश नहीं छोड़ा और दुनिया भर में शांति के पक्षधर लाखों लोगों का प्रेरित किया। मारिया का मानना है कि जब सत्तावादी लोग सत्ता हथिया लेते हैं, तो स्वतंत्रता के ऐसे साहसी रक्षकों को पहचानना जरूरी है जो उठ खड़े हों और विरोध करें। लोकतंत्र उन्हीं लोगों पर निर्भर करता है जो चुप रहने के बजाए गंभीर जोखिमों के बावजूद आगे बढ़ते रहने का दुस्साहस करते हैं। यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, बल्कि हमेशा उसकी रक्षा करनी चाहिए। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और शब्दों के सामर्थ्य का इस्तेमाल जरूरी है। ट्रम्प भले ही दुनिया का दारोगा कहलाएं लेकिन उन्हें मारिया के सिध्दांतों और धारणाओं से काफी कुछ सीखने की जरूरत है। यह सही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में तो शुरुआत से ही शांति के नोबेल पुरुस्कार का सपना संजोए बैठे थे। उनका हर मंच पर दावा कि उन्होंने ही आठ युद्ध रुकवाए हैं यही बताता है। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की आलोचना करना और कहना कि बिना किसी कारण के उन्हें नोबेल मिला मैने तो 8-8 युद्ध रुकवाए अहंकार नहीं तो क्या है? लेकिन वो भूल गए कि उनके दावे नोबेल शांति पुरस्कार के नामांकन की समय-सीमा के बाद के हैं। ऐसे में संभव है कि यह उनकी चालाकी हो और अगले साल के अपने दावे को पुख्ता करने की रणनीति हो! दुनिया जानती है कि ट्रम्प कहते कुछ हैं, करते कुछ हैं। कहा तो यह तक जाने लगा है कि ट्रम्प को यह भी नहीं पता अगले पल वो क्या कर बैठें, बहरहाल यह उनका अपना मामला है वो जाने। हां, नोबेल कमेटी की निना ग्रेगर ने यह जरूर कहा कि नोबेल के फैसले पर गाजा सीजफायर का असर नहीं होगा, लेकिन अगर यह शांति स्थायी रही, तो अगले साल ट्रंप की दावेदारी मजबूत हो सकती है। वहीं, नोबेल कमेटी के अध्यक्ष जोएर्गन वाटने फ्राइडनेस ने कहा कि पुरस्कार पर फैसला काम के आधार पर किया जाता है। अब ऐसा भी नहीं है कि अमरीका जैसे देश सशक्त देश के राष्ट्रपति को इतना भी भान न हो?

अब एक पुराना और चौंकाने वाला वाकया सुर्खियों में है। जब एडॉल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने की कोशिश हुई। इससे हर कोई असहज हुआ होगा। उनके क्रूर होने के किस्से-कहानियां इतिहास की किताबों में दर्ज है। क्या उनके नाम कभी प्रस्तावित हुआ? दरअसल एक तीखी व्यंग्यात्मक आलोचना के रूप में जरूर उनका प्रस्ताव स्वीडिश संसद के एक सदस्य, एरिक ब्रांट ने 27 जनवरी 1939 को नोबेल समिति को भेजा ब्रांट एक समाजिक-लोकतांत्रिक राजनेता थे। यह उनका स्वीडिश राजनीतिज्ञों की प्रवृत्ति पर कटाक्ष और व्यंग था जो तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविल चेम्बरलेन की शांति-नीति की तारीफ करते नहीं अघाते थे। जब चेम्बरलेन की शांति के लिए खूब स्तुति हो सकती है, तो हिटलर को भी यूरोप में युद्ध के खतरों लिए नामांकित कर दीजिए। लेकिन सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं, आलोचनाओं और गलतफहमियों से घिरता देख ब्रांट ने अपना नामांकन औपचारिक रूप से वापस भी ले लिया।

नोबेल पुरस्कार की स्थापना बिजनेसमैन, एंटरप्रेन्योर और वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु के बाद हुई जिन्होंने अपनी ज्यादातर संपत्ति कई क्षेत्रों में पुरस्कारों के लिए छोड़ी थी। सन 1895 में अपनी वसीयत में कहा था कि ऐसे पुरस्कार उन्हें दिया जाना चाहिए जिन्होंने पिछले साल मानव जाति के लिए सबसे बड़ा उपकार किया हो। शुरुआत 1901 में हुई जो जारी है। केवल प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1914 से 1918 तक और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1939 से 1945 में यह नहीं दिए गए। पुरुस्कार भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा या शरीर क्रिया विज्ञान, साहित्य, शांति और आर्थिक विज्ञान क्षेत्र में दिए जाते हैं। शांति पुरस्कार ऐसा अकेला है जिसका फैसला नॉर्वे की संसद की तरफ से चुने गए पांच सदस्यों की एक समिति की करती है। समिति ओस्लो में है पुरुस्कार वहीं देते हैं। इसमें एक डिप्लोमा, सोने का मेडल और 11 मिलियन स्वीडिश मुद्रा (10.36 करोड़ रुपये) दी जाती है। नियमानुसार पुरुस्कार देने और न देने की वजह अगले 50 सालों तक नहीं बताई जाती है। काश ट्रम्प काश इतना इंतजार कर पाते? फिलाहाल यह देखना होगा कि तिलमिलाए ट्रम्प आगे भी शांति दूत बने रहेंगे या दुनिया की शांति हरेंगे क्योंकि उनकी खीझ, खिसियाहट, टैरिफ वार और बॉडी लैंग्वेज कुछ और ही इशारा कर रही है?

नजरिया

अहोई माता : संतान के जीवन में मंगल भरने वाली शक्ति

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

करवा चौथ के चार दिन पश्चात और दीवाली से ठीक एक सप्ताह पहले भारत में हिन्दू समुदाय में एक प्रमुख त्यौहार 'अहोई अष्टमी' मनाया जाता है, जो प्रायः वही स्त्रियां करती हैं, जिनके संतान होती है किन्तु अब यह व्रत निसंतान महिलाएं भी संतान की कामना के लिए करती हैं। अहोई अष्टमी' व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 13 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के लिए बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विघ्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परम्परानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं।

अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में कुछ कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में किसी नगर में एक साहूकार रहता था। उसके सात लड़के थे। दीपावली से पहले साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में गई और कुदाल से मिट्टी खोदने लगी। दैव योग से उसी

जगह एक सेह की मांद थी। सहसा उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग गई, जिससे सेह का बच्चा तत्काल मर गया। अपने हाथ से हुई हत्या को लेकर साहूकार की पत्नी को बहुत दुख हुआ परन्तु अब क्या हो सकता था? वह पश्चाताप करती हुई शोकाकुल अपने घर लौट आई। कुछ दिनों बाद उसके बेटे का निधन हो गया। फिर अकस्मात दूसरा, तीसरा और इस प्रकार वर्ष भर में उसके सभी बेटे मर गए। महिला अत्यंत व्यथित रहने लगी। एक दिन उसने अपने आस-पड़ोस की महिलाओं को विलाप करते हुए बताया कि उसने जानबूझकर कभी कोई पाप नहीं किया। हां, एक बार खदान में मिट्टी खोदते हुए अनजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या अवश्य हुई है और तत्पश्चात मेरे सातों बेटों की मृत्यु हो गई। यह सुनकर पास-पड़ोस की वृद्ध औरतों ने साहूकार की पत्नी को दिलासा देते हुए कहा कि यह बात बताकर तुमने जो पश्चाताप किया है, उससे तुम्हारा आधा पाप नष्ट हो गया है। तुम उसी अष्टमी को भगवती माता की शरण लेकर सेह और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर उनकी आराधना करो और क्षमा-याचना करो। ईश्वर की कृपा से तुम्हारा पाप धुल जाएगा। साहूकार की पत्नी ने वृद्ध महिलाओं की बात मानकर कार्तिक मास की कृष्णपक्ष की अष्टमी को उपवास व पूजा-याचना की। वह हर वर्ष नियमित रूप से ऐसा करने लगी। बाद में उसे सात पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई।

अहोई व्रत के संबंध में एक और कथा प्रचलित है। बहुत समय पहले झांसी के निकट एक नगर में चन्द्रभान नामक साहूकार रहता था। उसकी पत्नी चन्द्रिका बहुत सुंदर, सर्वगुण सम्पन्न, सती साध्वी, शीलवन्त, चरित्रवान तथा बुद्धिमान थी। उसके कई पुत्र-पुत्रियां थे परन्तु वे सभी बाल अवस्था में ही परलोक सिधार चुके थे।

दोनो पति-पत्नी संतान न रह जाने से बहुत व्यथित रहते थे। वे दोनों प्रतिदिन मन ही मन सोचते कि हमारे मर जाने के बाद इस अपार धन-सम्पदा को कौन संभालेगा? एक बार उन दोनों ने निश्चय किया कि वनवास लेकर शेष जीवन प्रभु-भक्ति में व्यतीत करें।

यही विचार कर दोनों अपना घर-बार त्यागकर वनों की ओर चल दिए। रास्ते में जब थक जाते तो रूककर थोड़ा विश्राम कर लेते और फिर चल पड़ते। इस प्रकार धीरे-धीरे वे बद्रिका आश्रम के निकट शीतल कुण्ड जा पहुंचे। वहां पहुंचकर दोनों ने निराहार रहकर प्राण त्यागने का निश्चय कर लिया। निराहार व निर्जल रहते हुए जब उन्हें सात दिन हो गए तो आकाशवाणी हुई कि तुम दोनों प्राणी अपने प्राण मत त्यागो। यह सब दुख तुम्हें तुम्हारे पूर्व पापों से भोगना पड़ा है। यदि तुम्हारी पत्नी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजन करे तो अहोई देवी प्रसन्न होकर साक्षात दर्शन देंगी। तुम उनसे दीर्घायु पुत्रों का वरदान मांग लेना। व्रत के दिन तुम राधाकुण्ड में स्नान करना।

चन्द्रिका ने आकाशवाणी के बताए अनुसार विधि-विधान से अहोई अष्टमी को अहोई माता का व्रत और पूजा-अर्चना की और तत्पश्चात राधाकुण्ड में स्नान किया। जब वे स्नान इत्यादि के बाद घर पहुंचे तो उस दम्पत्ति को अहोई माता ने साक्षात दर्शन देकर वर मांगने को कहा।

साहूकार दम्पत्ति ने हाथ जोड़कर कहा, ''हमारे बच्चे कम आयु में ही परलोक सिधार जाते हैं। आप हमें बच्चों की दीर्घायु का वरदान दें।''

''तथास्तु!'' कहकर अहोई माता अंतर्ध्यान हो गई। कुछ समय के बाद साहूकार दम्पत्ति को दीर्घायु पुत्रों की प्राप्ति हुई और वे सुखपूर्वक अपना गृहस्थ जीवन व्यतीत करने लगे। देवी पार्वती को अनहोनी को होनी बनाने वाली देवी माना गया हैं, इसलिए अहोई अष्टमी पर माता पर्वती की पूजा की जाती है और संतान की दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अफगानिस्तान बाहरी आक्रमण सहन नहीं करेगा: मुत्तकी

नयी दिल्ली/भाषा

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष का अफगानिस्तान शांतिपूर्ण समाधान चाहता है, लेकिन यदि प्रयास सफल नहीं होते हैं तो उसके पास अन्य विकल्प भी हैं। उन्होंने कहा कि उनका देश किसी भी बाहरी आक्रमण का सामना करने के लिए पूरी तरह एकजुट है। बृहस्पतिवार को काबुल में पाकिस्तानी हवाई हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच फिर से संघर्ष शुरू हो गया है। भारत की छह दिवसीय यात्रा पर आये मुत्तकी ने कहा कि कुल मिलाकर स्थिति नियंत्रण में है और उनका देश अपनी संप्रभुता का किसी भी तरह का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेगा। पाकिस्तानी कार्रवाई के जवाब में अफगान बलों ने शनिवार रात दोनों पड़ोसी देशों के बीच सीमा पर कई पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर हमला किया, जिससे व्यापक संघर्ष की आशंका पैदा हो गई। तालिबान के एक प्रवक्ता ने काबुल में कहा कि अफगान बलों ने कई पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर कब्जा कर लिया है और संघर्ष में 58 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई।

मुत्तकी ने नयी दिल्ली से पाकिस्तान को दिये स्पष्ट संदेश में कहा, अफगानिस्तान इस्लामी अमीरात की नीति सभी समस्याओं को बातचीत के माध्यम से हल करने की है। हम कोई तनाव नहीं चाहते हैं और यदि वे ऐसा नहीं चाहते हैं, तो अफगानिस्तान के पास अन्य विकल्प हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान को पाकिस्तान के लोगों और नेताओं से कोई समस्या नहीं है, हालांकि उस देश में कुछ तत्व माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। पाकिस्तान तालिबान शासन पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादियों को शरण देने का आरोप लगाता रहा है तथा देश के अंदर हुए कई हमलों के लिए इस समूह को जिम्मेदार ठहराता रहा है। अफगानिस्तान ने इन आरोपों को खारिज किया है।

सैनिकों को भुगतान सुनिश्चित करने के लिए पेंटागन 'सभी उपलब्ध धन' का उपयोग करे : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उन्होंने रक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह सरकारी वित्त पोषण रुकने के कारण हुए 'शटडाउन' के बावजूद अमेरिकी सैनिकों को बुधवार को वेतन देने के लिए सभी उपलब्ध धनराशि का उपयोग करे। ट्रंप ने कहा कि यह एक अल्पकालिक उपाय है जो उन लाखों संघीय कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा जिन्हें छुट्टी पर भेज दिया गया है। राष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह इसलिए कदम उठा रहे हैं अन्यथा हमारे बहादुर सैनिकों को निर्धारित 15 अक्टूबर को उनका वेतन नहीं मिल पाएगा। ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं को दोषी ठहराते हुए कहा कि वह कमांडर-इन-चीफ के रूप में अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को 15 अक्टूबर को सैनिकों को वेतन दिलाने के लिए सभी उपलब्ध धनराशि का उपयोग करने का निर्देश दे रहे हैं।

एक अक्टूबर को संघीय बजट चक्र की शुरुआत में सरकारी वित्त पोषण रुकने से 'शटडाउन' के कारण सरकारी कामकाज ठप होने के बाद अमेरिकी सैन्यकर्मियों को बुधवार को अपना अगला वेतन नहीं मिलने का खतरा था। अमेरिका में लगभग 13 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं और 'कैपिटल हिल' (संसद भवन परिसर) के सांसदों की 'शटडाउन' के नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा के दौरान सैनिकों को वेतन नहीं मिलने की आशंका चर्चा का मुख्य विषय रही है।

महोत्सव

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री, मनसुख मंडाविया नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में उद्गार युवा महोत्सव में शिरकत की।

प्रार्थना

थाईलैंड का विदेश मामलों का प्रतिनिधिमंडल, भिक्षुओं और भिक्षुणियों के साथ, 68 वर्षों के बाद आध्यात्मिक वापसी के प्रतीक के रूप में एक मंदिर में जीर्णोद्धार प्रार्थना करता हुआ।

सीमा पर संघर्ष में 23 पाकिस्तानी सैनिक और 200 से अधिक तालिबान लड़ाके मारे गए : पाक सेना

इस्लामाबाद/पेशावर/भाषा

पाकिस्तानी सेना ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर रात भर हुई भीषण झड़पों में कम से कम 23 पाकिस्तानी सैनिक और तालिबान तथा उससे संबद्ध 200 से अधिक आतंकवादी मारे गए। सीमा पार से आक्रमण के एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के बीच दोनों पड़ोसियों के बीच तनाव बढ़ गया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अफगान बलों द्वारा किए गए अकारण हमलों के जवाब में 19 अफगान सैन्य चौकियों और आतंकवादी ठिकानों पर कब्जा कर लिया है। वहीं, अफगानिस्तान का दावा है कि उसकी जवाबी कार्रवाई के दौरान 58 पाकिस्तानी सैनिकों मारे गये और 30 अन्य घायल हो गए। सेना ने एक बयान में कहा कि 11-12 अक्टूबर की मध्य रात्रि को अफगान तालिबान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तान-अफगान सीमा पर बिना उकसावे के हमला किया।

इसमें कहा गया है कि सीमा पार से गोलीबारी और सैनिकों द्वारा किये गये हमलों सहित कायरतापूर्ण कार्रवाई का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों को अस्थिर करना था, ताकि आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा सके और आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को बढ़ावा मिल सके। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तानी सैनिकों ने पूरी सीमा पर हमले को निर्णायक रूप से विफल कर दिया और तालिबान बलों और संबद्ध ख्वारिजियों (टीटीपी आतंकवादियों) को भारी नुकसान पहुंचाया।

इसमें कहा गया कि सुरक्षा बलों ने अफगान क्षेत्र के अंदर तालिबान शिविरों, चौकियों और आतंकवादी प्रशिक्षण सुविधाओं पर सटीक हमले और छापे मारे। रात भर चली झड़पों के दौरान 23 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 29 अन्य घायल हो गए, जबकि 200 से अधिक तालिबान और संबद्ध आतंकवादियों को मार गिराया गया, अफगान पक्ष के 21 शत्रु ठिकानों पर थोड़े समय के लिए भौतिक रूप से कब्जा कर लिया गया और कई आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को निष्क्रिय कर दिया गया। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि उसके बलों ने सामान्य नागरिकों को जानमाल के नुकसान से बचाने के लिए सभी संभव उपाय किए हैं, साथ ही देश की संप्रभुता की रक्षा जारी रखने की शपथ भी ली है।

मां के किरदार की पहली पसंद थीं निरूपा रॉय, 300 फिल्मों में किया अभिनय

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की दुनिया में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो अपनी अदाकारी से दिलों में अमिट छाप छोड़ जाते हैं। ऐसी ही एक मशहूर अभिनेत्री थीं निरूपा रॉय, जिन्हें हम सब 'बॉलीवुड की मां' के नाम से जानते हैं। उनकी मां वाली भूमिका ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई और वे हर दर्शक के लिए 'मां' बन गईं। 1975 में रिलीज हुई फिल्म 'दीवार' में अमिताभ बच्चन की मां का रोल निभाकर उन्होंने अपनी खास पहचान बनाई।

उस वक्त से लेकर अपने करियर के अंत तक, निरूपा रॉय ने मां के किरदार को ही अपनाया और बॉलीवुड में अपनी एक अलग जगह बनाई। निरूपा रॉय का जन्म 4 जनवरी 1931 को गुजरात के वलसाड में हुआ था। उनका असली नाम कांता चौहान था। महज 14 साल की उम्र में उनकी शादी कर दी गई। शादी के बाद वे अपने पति कमल रॉय के साथ मुंबई आ गईं। कमल रॉय का सपना था कि वे फिल्मों में एक्टर बनें, लेकिन उनके प्रयासों में उन्हें सफलता नहीं

मिली। एक दिन कमल रॉय ने अपनी पत्नी के लिए भी फिल्मी करियर में संभावनाओं के बारे में सोचा और दोनों ने एक गुजराती फिल्म 'रणकदेवी' के लिए ऑडिशन दिया। जहां कमल को रिजेक्ट कर दिया गया, लेकिन निरूपा को लीड रोल ऑफर हुआ। इसी के साथ उनका फिल्मी सफर शुरू हुआ।

शुरुआती दौर में निरूपा ने ज्यादातर धार्मिक और ऐतिहासिक फिल्मों में काम किया। वह 'हर हर महादेव', 'रानी रूपमती', और 'नागपंचमी' जैसी फिल्मों में देवी के रोल में नजर आईं। इन किरदारों की वजह से दर्शक उन्हें देवी मानने लगे थे। धीरे-धीरे उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी जगह बनाई और सामाजिक फिल्मों में भी काम किया। उनकी फिल्म 'दो बीघा जमीन' को फिल्म इतिहास में एक मील का पत्थर माना जाता है, जिसमें उन्होंने शानदार अभिनय किया था।

लेकिन उनकी सबसे बड़ी पहचान 'मां' के किरदार से आई। 1975 में आई फिल्म 'दीवार' में अमिताभ बच्चन के साथ मां का रोल निभाकर वे सबके दिलों में अपनी जगह बना गईं। उस वक्त से लेकर 1990 के दशक तक उन्होंने कई फिल्मों में मां के किरदार निभाए। 'अमर अकबर एंथोनी', 'खून पसीना', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'सुहाग', 'इंकलाब', 'गिरफ्तार', 'मर्द', और 'गंगा-जमुना-सरस्वती' जैसी फिल्मों में निरूपा रॉय ने अमिताभ बच्चन की मां के रूप में यादगार भूमिका निभाई। उनकी मां वाली भूमिका इतनी प्रभावशाली थी कि उन्हें बॉलीवुड की 'क्वीन ऑफ मिसरी' भी कहा जाता था।

निरूपा रॉय का फिल्मी करियर लगभग पांच दशकों तक चला, और इस दौरान उन्होंने करीब 300 फिल्मों में काम किया। शुरुआत में वह लीड एक्ट्रेस के रूप में काम करती थीं, लेकिन मां के किरदार ने उन्हें अलग पहचान और सम्मान दिलाया।

उन्होंने अपने किरदारों में जो ममता, दर्द और प्यार दिखाया, वह हर दिल को छू गया। इसके लिए उन्हें 2004 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। 13 अक्टूबर 2004 को निरूपा रॉय का निधन हो गया, लेकिन उनकी मां वाली भूमिका आज भी भारतीय सिनेमा में एक मिसाल के तौर पर याद की जाती है।

'द डेविल वियर्स प्राडा-2' में नजर आएंगी लेडी गागा

लॉस एंजिलिस/भाषा। मशहूर गायिका-अभिनेत्री लेडी गागा डिज्नी की 2006 में प्रदर्शित सुपरहिट फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा' के सीक्वल में अभिनय के जलवे बिखेरती नजर आएंगी। मनोरंजन समाचार मंच 'वैरायटी' के मुताबिक, लेडी गागा 'द डेविल वियर्स प्राडा-2' की स्टारकास्ट में शामिल हो गई हैं। यह खबर शूटिंग स्थल पर गागा की मौजूदगी की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होने के बाद आई है। फिल्म में गागा के किरदार से जुड़ी जानकारी गुप्त रखी जा रही है। 'द डेविल वियर्स प्राडा-2' की शूटिंग इस साल जून में शुरू हुई थी। फिल्म में लेडी गागा के अलावा मेरिल स्ट्रीप, ऐनी हैथवे, एमिली ब्लंट और स्टेनली टुकी भी अहम किरदार निभाते दिखेंगे। 'द डेविल वियर्स प्राडा' के सीक्वल के निर्देशन की जिम्मेदारी भी डेविड फ्रैंकेल संभाल रहे हैं। यह फिल्म एक मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

ऋषभ शेट्टी ने सिद्धिविनायक मंदिर में टेका माथा

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा के मशहूर अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की जबरदस्त सफलता का जश्न मना रहे हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तूफान बनकर छाई हुई है और रिलीज के सिर्फ एक हफ्ते में ही इसने 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। इस बड़ी उपलब्धि के बाद ऋषभ शेट्टी ने अपनी सफलता का श्रेय भगवान को देते हुए मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में माथा टेका। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में ऋषभ शेट्टी को सफेद शर्ट और लुंगी में देखा जा सकता है। उन्होंने अपने बाल और दाढ़ी वैसे ही रखी हुई हैं, जैसे उनके किरदार का लुक 'कांतारा चैप्टर 1' में था। ऋषभ नंगे पैर मंदिर पहुंचे और भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद उन्होंने हाथ जोड़कर मीडिया और वहां मौजूद प्रशंसकों का अभिवादन किया।

दूसरी ही फिल्म से लगा बिंदू देसाई को खलनायिका का टैग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सिनेमा के 70 के दशक में एक ऐसी वैम्प अदाकारा थी, जिनको लेकर जिज्ञासा सेट पर लोगों में लीड रोल करने वाली एक्ट्रेसेस से ज्यादा होती है। हम बात कर रहे हैं फिल्म इंडस्ट्री की मोना डार्लिंग यानी बिंदू देसाई की। उन्होंने कभी पर्दे पर लड़ाकू सास बनकर बहूओं की नाक में दम किया तो कभी गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड बनकर भी सिनेमा के पर्दे पर राज किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिंदू को पहली फिल्म से नहीं बल्कि दूसरी फिल्म से सफलता हासिल हुई? बिंदू देसाई के पिता नानूभाई देसाई चाहते थे कि वो डॉक्टर या इंजीनियर बने, लेकिन बिंदू को सिनेमा से लगाव था और वो बहुत खूबसूरत भी थी। लेकिन विटी फेस होने की वजह से उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस रोल ऑफर नहीं हुआ। अपने पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। अब परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए उन्होंने फिल्मों का रुख किया और उनके जीजा लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसमें उनकी मदद की। बिंदू ने सबसे पहले 1962 में आई फिल्म 'अनपढ़' में साइड रोल किया, और वो उस वक्त 21 साल की थी। फिल्मी पर्दे पर वह फ्लॉप रहीं, लेकिन दूसरी फिल्म 'दो रास्ते' उनके लिए लकी साबित हुई। इस फिल्म में बिंदू ने निगेटिव रोल प्ले किया। एक इंटरव्यू में बिंदू ने खुलासा किया था कि पहले वो तो निगेटिव रोल करने से कतरा रही थीं, लेकिन परिवार वालों ने कहा कि तुक्का मारने में क्या जाता है। फिल्म बनी और रिलीज हुई और फिर हिट साबित हुई। इस फिल्म ने बिंदू की जिंदगी बदल दी। इसके बाद एक्ट्रेस ने 'इत्तफाक', 'आया सावन झूम के', 'डोली', 'कटी पतंग', और 'जंजीर' जैसी फिल्में की।

बिंदू को लगातार फिल्मों में निगेटिव रोल मिलने लगे और उनकी इमेज पूरी तरह निगेटिव हो गई। असल जिंदगी में भी लोग उन्हें पर्दे की खलनायिका की तरह हीं देखते थे। एक्ट्रेस ने खुद इस बात का जिक्र करते हुए बताया था कि महिलाओं को लगता था कि मैं उनके पतियों को हड़प लूंगी। बिंदू ने बताया कि मेरे पति के एक करीबी दोस्त थे और कभी-कभी उनसे बातचीत हो जाती थी, लेकिन उनकी पत्नी को ऐसा लगता था कि मैं उनके पति पर डोरे डाल रही हूंजबकि असल में ऐसा कुछ था ही नहीं। आज बिंदू अपने परिवार और पति के साथ मुंबई में रहती हैं और इंटरव्यू और शो में दिखती रहती हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म 'महबूबा' में देखा गया था, जो कि 2008 में आई थी।

प्रदर्शन

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पटना में जदयू कार्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान टिकट चाहने वालों के समर्थक नारे लगाते हुए।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

विधवा शब्द का प्रयोग ही मानवता के लिए कलंक : राष्ट्रसंत कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के राजा अन्नामले ऑडिटोरियम में 12 अक्टूबर को राष्ट्रसंत कमल मुनिजी कमलेश ने जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली महिला शाखा तमिलनाडु के द्वारा आयोजित वीरांगना सम्मान समारोह को संबोधित करते कहा कि शील और सदाचार का पालन करने वाली मातृशक्ति लक्ष्मी सरस्वती और दुर्गा का दूसरा स्वरूप है। जिनको देव शक्ति भी नमन करती है उनके नाम से ही अलौकिक चमत्कार प्रकट होते हैं। मां के चरणों में जन्नत है। माता तो माता ही होती है। सौभाग्यवती और विधवा होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। उससे बढ़िया मंगलकारी हमारे लिए दुनिया में और कोई नहीं हो सकता है विश्व मंगलकारी वीरांगना होती है।

उन्होंने कहा कि सौभाग्यवती से भी विधवा अनंत गुना महान होती है, जिनके दर्शन मात्र से हमारे अनंत भावों के पाप नष्ट हो जाते हैं विधवा को अमंगलकारी मानने वाला संपूर्ण सृष्टि का अपमान कर रहा है। क्योंकि सृष्टि की निर्माता है। मुनि कमलेश ने बताया कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा के साथ भेदभाव करना परमात्मा का अपमान करने के समान बताया गया है। विधवा शब्द का प्रयोग ही मानवता के लिए कलंक और नारी समाज के लिए अभिशाप है। सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है, पति के मरने पर सती प्रथा में एक बार जिंदगी को जला देते थे, परंतु विधवा प्रथा जीवन पर्यंत तिरस्कार अपमान के जीवन जीने को मजबूर हो जाती है। जबकि उसने उसका कोई दोष नहीं है।

इस मौके पर उपस्थित डॉ समकित ने कहा कि यह युगांतरकारी परिवर्तन मुनि कमलेश की क्रांतिकारी विचारधारा से ही संभव हो पा रहा है। नारी को उचित सम्मान प्यार हर उम्र में हर समय मिलना चाहिए। और उसके बिना परिवार की कल्पना तक नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि आज से सबको संकल्प लेना है वीरांगना को मंगल काम में सबसे आगे रखता है और विधवा शब्द का कलंक धरती से समाप्त करना है। जैन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय महामंत्री अमित राय जैन ने कहा वीरांगना अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर आयाम दिया जाएगा उनके स्वाभिमान और सम्मान में चार चांद लगाए जाएंगे। कॉन्फ्रेंस के विश्वास मंडल रमेश भंडारी ने कहा कि राष्ट्र संत ने अनेकों क्षेत्र में समाज को नई दिशा दी। जैसे स्वर्णिम पृष्ठ का निर्माण हुआ। कार्याअध्यक्ष यशवंत जैन दिल्ली, बाबूलाल राजा बेंगलूरु, कीमती हैदराबाद, सुरेश छलानी बेंगलूरु मैं अपने-अपने क्षेत्र में विरामगाना कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की।

महिला शाखा राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष जैन महामंत्री रिचा के द्वारा तमिलनाडु महिला शाखा न्यू प्रांतीय अध्यक्ष संगीता बांटिया अभिनंदन करते हुए कहा आपने नया इतिहास रचा है। गुरुदेव की कृपा से हम सब मिलकर घर-घर तक पहुंचाएंगे इस क्रांति को राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, जम्मू, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना कई राज्यों के प्रतिनिधियों अधिवेशन में भाग लिया। आचार्य डॉक्टर शिव मुनि जी, युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी, उपाध्याय प्रवर्तक सभी गुरु भगवान के बधाई संदेश प्राप्त हुए। जैन कॉन्फ्रेंस दक्षिण प्रांत के समन्वय संयोजक सुरेश लुणावत के प्रयासों से यह भगीरथ कार्य संभव हो सका। जैन भवन संघ के मंत्री डॉक्टर संजय पिंचा ने आभार व्यक्त किया।

खुद को समय दोगे नहीं तब तक परिवर्तन होना संभव नहीं : जयवंत मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. संमकित मुनिजी म.सा के सान्निध्य में रविवार को उत्तराध्ययन सूत्र आराधना का 12वां दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रवचन में जयवंत मुनिजी म.सा ने जीवन के गहरे संदेश साझा करते हुए कहा कि खुद को समय दोगे नहीं, तब तक परिवर्तन होना संभव नहीं। उन्होंने कहा कि जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य यह है कि यदि कोई गलती कोई दूसरा करे और सबक हम ले लें। उन्होंने कहा, हमने ठोकर खाई, गिरकर के संभले – इसमें कोई बड़ी बात नहीं, लेकिन कोई दूसरा गिर जाए और हम सबक ले लें कि मैं अपने जीवन में ऐसा नहीं करूंगा, इससे बड़ी बात कोई नहीं।

मुनिश्री ने आगे कहा कि आज के समय में लोग सिर्फ मोटिवेशन तक ही सीमित रहते हैं। सुनते हैं, अच्छा लगता है, और फिर भूल जाते हैं। लेकिन असली परिवर्तन तब होता है जब मोटिवेशन से ट्रांसफॉर्मेशन हो। उन्होंने कहा कि जो बात सुनते हैं, उसे जीवन में उतारना चाहिए। सालों से लोग प्रवचन सुनने आते हैं, मगर सुनने के बाद भूलकर चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस संसार के सभी जीव सुख की तलाश में हैं – हर कोई चाहता है कि मुझे सुख मिले। आगमकार कहते हैं कि सुख दो प्रकार का होता है – एक स्थायी और दूसरा क्षणिक । हर कोई स्थायी सुख चाहता है, और यह स्थायी सुख केवल संयम से ही प्राप्त हो सकता है। परंतु, मुनिश्री ने कहा कि संयम लेने की इच्छा होने के बावजूद लोग उसे अपनाते नहीं। उन्हें यह तो पता है कि असली सुख संयम में है और यह भी जानते हैं कि संसार खारा ज़हर है, लेकिन फिर भी वे उससे छूट नहीं पाते। उन्होंने कहा – जब तक खुद को समय नहीं दोगे, तब तक परिवर्तन होना संभव नहीं है। मुनिश्री ने कहा कि जब तक हाथ पर हाथ धरे बैठे रहोगे, तब तक कुछ नहीं होगा। चलते-फिरते, भागते-दौड़ते परिवर्तन नहीं आता। जब तक मन शांत नहीं होगा, परिवर्तन नहीं होगा। और मन तब शांत होगा जब व्यक्ति एकांत में बैठकर आत्मचिंतन करेगा। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

दीपमालिका महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां परमधाम अमृतवाणी सत्संग मण्डल परिवार के तत्वावधान में 12 अक्टूबर को दीपावली का महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ हमारे सिंधी धर्मशाला के प्रांगण में मनाया गया। इसमें सबसे पहले श्री गणेश वंदना श्री गुरु वंदना मां सरस्वती वंदना के बाद सामूहिक रूप से अमृतवाणी का पाठ किया गया। पूरे सत्संग मंडल को दीपक से सजाया गया और इस शुभ अवसर पर सभी भक्तों को दीपावली के शुभ अवसर पर प्रसाद बांटा गया। अंत में सदन के सामने पटाखे फोड़े गए और फुलझड़ियां जलाई गई सभी भक्तों को दीपावली की हार्दिक बधाई दी गई यह जानकारी मंडल के सदस्य श्री अरविंद कुमार दाधीच ने दी है।

विद्यालय में अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकारपेट स्थित एजी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल में अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, नैतिक उत्थान तथा सर्वांगीण विकास के संदर्भ में अभिभावकों एवं शिक्षकों के मध्य पारस्परिक संवाद स्थापित करना था। विगत वर्षों की तुलना में इस वर्ष के प्रथम अभिभावक शिक्षक सम्मेलन में अभिभावकों उपस्थिति अभूतपूर्व रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती डॉ जयश्री के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यालय और गृह, दोनों ही शिक्षा के पंख हैं जिनके सहारे बालक जीवन-आकाश में ऊँचाई प्राप्त करता है। तत्पश्चात् उन्होंने विद्यालय में आमूल चूल परिवर्तन को दर्शित करते हुए सभी अभिभावकों से यह आग्रह किया कि अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए जागरूक रहे विद्यालय को वो अपने रचनात्मक सुझाव अवश्य साझा करे।

विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह ढढा ने आभार ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि अभिभावक-शिक्षक संवाद ही शिक्षा-यात्रा की प्राण-रेखा है; इसी से विद्यार्थी का व्यक्तित्व पुष्पित-पल्लवित होता है।

जीवन में संक्लेश लाता है अन्याय से उपार्जित धन : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम में लॉयड्स रोड स्थित छाजेड़ भवन में विराजित ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने रविवार को आयोजित श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव में भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र पर प्रवचन के दौरान कहा कि जीवन के बेशकीमती पलों को प्रमाद में व्यतीत नहीं करना चाहिए। प्रमाद यानि गफलत, भूल और असावधानी। आत्म विस्मृति जीवन की गंभीर भूल है। आत्मा को विस्मृत और उपेछित करके जीना अपने आपके साथ घोर अन्याय है। प्रमाद में ही जीवन को गुजारने वाले को जीवन के अंत में करुणता का शिकार बनना पड़ता है। निरंतर इंद्रिय विषय सुखों के पीछे पागल बनकर दौड़ने वाले को कहीं भी शरण नहीं मिलती। मुनि श्री ने कहा कि टूटे कांच, टूटे बर्तन और टूटी लकड़ी को पुनः जोड़ा जा सकता है। मगर आयु क्षीण होने पर लाख कोशिश करने पर भी जीवन को शाश्वत दान नहीं दिया जा सकता। सत्ता संपत्ति और शक्ति के बल पर जीवन को प्राप्त नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि जो कुबुद्धि के वशीभूत होकर पापकर्म और अन्याय अनीति से धन का अर्जन करते हैं वे यहाँ प्राणियों के साथ वैर का अनुबंध करके परलोक में नरक गति का मेहमान बनते है। धन जीवन की आवश्यकता पूर्ति का साधन है। इसका अर्जन न्याय नीति से किया जाना चाहिए। अनीति से कमाये धन से कुछ समय के लिए संपन्न तो बना जा सकता है मगर प्रसन्न जीवन का मालिक नहीं बना जा सकता। जीवन का लक्ष्य सम्पन्नता ही नहीं प्रसन्नता को प्राप्त करने का होना चाहिए। जीवन में प्रसन्नता का सम्बन्ध धन से नहीं बल्कि मन से होता है। मन में समता और संतोष होगा तभी व्यक्ति सुख शांति का अनुभव कर सकेगा। अन्याय अनीति से प्राप्त धन जीवन में अशांति और क्लेश की वृद्धि करता है और एक दिन वह पूरी तरह नष्ट हो जाता है। उसके नष्ट होने पर व्यक्ति के पास जार जार रोने और सिर धुनने के सिवाय और कोई उपाय शेष नहीं रहता फिर भी व्यक्ति के दिमाग में रातोंरात धनवान बनने का जुनून इस कदर हावी हो गया है कि व्यक्ति इस सच्चाई को स्वीकार नहीं कर पाता। यदि हर व्यक्ति ज्ञानियों की इस बात पर गौर करने लगे और यह भलीभांति समझने लगे कि मेरा अन्याय से संचित किया हुआ धन नष्ट होने पर मुझे जैसा दुख हो रहा है वैसे ही जिसके धन को मैंने अनाधिकार से ग्रहण किया है उसे भी होता होगा तो वह अन्याय-अनीति करने को तत्पर नहीं हो सकता। जब तक मनुष्य में इस प्रकार के आत्म भाव और सह अस्तित्व भावना की कमी रहेगी वह कमी भी वास्तविक सफलता के शिखर पर नहीं चढ़ सकता। बेशुमार संपत्ति का मालिक होने के बावजूद भी कोई सुख ओर शाँति नहीं प्राप्त कर सकता। अनाचार और अत्याचार से एकत्रित धन से आज तक कोई सुखी नहीं बन पाया। मुनि श्री ने कहा कि जो लोग धर्म नीति को प्रधानता देते हुए जीवन यापन करते हैं जिनके कृत्य शुभ और जिनका लक्ष्य वीतरागता को प्राप्त करके शाश्वत सुख को प्राप्त करना है। जिनका नजरिया सकारात्मक और विचार उत्तम है वह अपनी सम्पूर्ण सम्पत्ति का त्याग कर देने पर भी दुखी नहीं होते। उनके सुख की सामग्री सर्वथा एकत्रित ही रहेगी। भगवान महावीर, महात्मा गाँधी, भगवान बुद्ध आदि महापुरुषों ने अपनी बाहरी सम्पदा को ठुकरा दिया था फिर भी उन्हें निर्धनता का दुख झेलने की नोबत से गुजरना नहीं पड़ा। उन महा पुरुषों के पास असीम आत्म बल और आतंरिक गुण वैभव इकट्ठा हो गया कि उन्हें अल्प साधनों में जीने में ही उस आत्मिक सन्तोष और चैन की अनुभूति हुई जिसे अमीर से अमीर व्यक्ति को भी अनुभव करने का सौभाग्य नहीं मिल पाता।

अध्यक्ष अमरचंद छाजेड़ ने बताया कि इस मौके पर सोहनलाल भंसाली, सुमेरमल बैद, सुनील भड़कतिया, विजयकुमार कोठारी, नवरत्न आछा, अशोक छाजेड़, जितेन्द्र वच्छावत, ललित नाहर भंवरलाल चौपड़ा, अशोक बोहरा, अशोक भंसाली आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। इसके पूर्व वीरस्तुति और उत्तराध्ययन सूत्र का पारायण किया गया धर्म सभा का संचालन संघ मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

अन्नामलाई का आरोप

तमिलनाडु के औषधि नियंत्रकों ने प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा नहीं लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य के औषधि नियंत्रकों ने भारतीय फार्माकोपिया आयोग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण सत्रों में कभी भाग नहीं लिया। उन्होंने इसे लेकर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन से स्पष्टीकरण मांगा। अन्नामलाई की यह टिप्पणी मध्य प्रदेश में बच्चों की मौतों से जुड़े कांचीपुरम स्थित कोल्ड्रिफ' कफ सिरप निर्माता के खिलाफ जांच के बाद आई है, जिसमें तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा बुनियादी नियामक मानदंडों को लागू करने में की गई चूक सामने आई है। कफ सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल' की मिलावट पाई गई, जो एक जहरीला रसायन है और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है। मदुरै हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए, अन्नामलाई ने कहा कि मुख्यमंत्री स्टालिन को इन खामियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने पूछा, अगर वे (औषधि नियंत्रक) प्रशिक्षण सत्रों में शामिल नहीं होते, तो उन्हें कैसे पता चलेगा कि डीईजी एक जहरीला पदार्थ है। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने अब उत्पादन के बाद भी दवाओं में हानिकारक तत्वों की जांच करने का फैसला किया है।

अन्नामलाई ने कहा, दवा परीक्षण के कई चरण होते हैं, लेकिन ज्यादातर इनका परीक्षण उत्पादन के दौरान ही किया जाता है। अब, केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि वह भारत के औषधि सुरक्षा नियमों में सभी खामियों को दूर करने के लिए उत्पादन के बाद भी जांच करेगी। उन्होंने कहा कि यह बात सामने आई है कि कफ सिरप में 300 से ज्यादा गुणवत्ता उल्लंघन थे। उन्होंने दावा किया कि यह स्पष्ट है कि तमिलनाडु के औषधि नियंत्रकों और निरीक्षकों ने इसकी बिल्कुल भी जांच नहीं की।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

दीया फंड

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल (https://udgam.rbi.org.in) पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

दावा न की गई संपत्ति के संबंध में आयोजित विशेष शिविरों में जाएं, जिसे देशभर के सभी ज़िलों में अक्टूबर से दिसंबर 2025 के बीच लगाए जाएँगे।

अधिक जानकारी के लिए https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर लिखिए
क्यूआर कोड स्कैन कीजिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.